14-04-2025 ISN:Layout 1 4/14/2025 8:00 AM Page 1

मौसम
दिल्ली/एनसीआर
अधिकतम ता. 29.0°C | न्यूनतम ता. 17.0°C

दैनिक इंडिया सावधान न्यूज

RNI No. : UPHIN/2016/71004 www.indiasavdhan.com राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष: 08 अंक: 99, सोमवार 14 अप्रैल, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित, लखनऊ, दिल्ली, मुम्बई, हरियाणा से एक साथ प्रसारित

4-वजीरगंज में सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने श्री राज राजेश्वरी मंगला माता देवी के मेले फीता काट कर किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में चला वृहद स्वच्छता अभियान, सर्वसमाज ने की भागीदारी

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में रविवार को पूरे प्रदेश में वृहद स्वच्छता अभियान चला। इस दौरान पार्कों, स्मारकों, चौराहों, सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर समेत सभी महापुरुषों व राष्ट्रनायकों की प्रतिमा की साफ-सफाई हुई। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में यह अभियान चला, जिसमें सीएम के आह्वान पर सर्वसमाज ने योगदान दिया। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों, आमजन सहित सर्वसमाज की भी भागीदारी रही।

वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर के ग्राम पंचायतों और वार्डों में चला स्वच्छता अभियान

वाराणसी के 694ग्राम पंचायत में रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी के पर्यवेक्षण में वाराणसी के लगभग सभी 100 वार्ड में सफाई अभियान चलाया गया। कचहरी चौराहा, ढेलवरिया, दुगाकुंड और रामनगर स्थित अम्बेडकर पार्क और प्रतिमा की सफाई की गई। चंदौली में जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे के निर्देश पर सभी विकास खंडों में डॉ. भीमराव अंबेडकर के मूर्ति स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें ब्लॉक विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत सहित सफाई कर्मियों ने भाग लिया। गाजीपुर की जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने सफाई अभियान चलाया। लंका स्थित अम्बेडकर पार्क और बाबा भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा की सफाई की गई। इसके अलावा गाजीपुर के 1238 ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान चला और डॉ. आंबेडकर की मूर्ति व आसपास के स्थलों की सफाई हुई।

जौनपुर, अलीगढ़, प्रतापगढ़ के वाल्मीकि वाटिका में भी चला स्वच्छता अभियान

जौनपुर के खुटहन विकासखंड में ग्राम पंचायत मुहम्मदपुर में भी साफ-सफाई की गई।

अलीगढ़ के वार्ड नंबर-33 में अंबेडकर पंचायत घर में सफाई व कार्यकताओं ने सफाई व चूना छिड़काव किया। अंबेडकर पार्क प्रतापगढ़ में वाल्मीकि वाटिका एवं अंबेडकर जी प्रतिमा पर रंगाई पुताई एवं सफाई की गई। शाहजहांपुर नगर निगम द्वारा अंबेडकर पार्क पुराना आवास विकास कॉलोनी और घंटाघर में साफ-सफाई की गई।

प्रयागराज मंडल में भी महापुरुषों की प्रतिमा की हुई सफाई

प्रयागराज मंडल के सभी चार जनपदों में रविवार को स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रयागराज शहर में सात स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित हुए। भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता के मुताबिक नगर निगम में भाजपा के सभी 56 सभासदों ने अपने-अपने वार्ड में सफाई अभियान चलाने के लिए भी संपर्क अभियान चलाया गया। फतेहपुर जनपद में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर कुल 53 स्थानों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। प्रतापगढ़ में भी कुल 18 स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया हुआ। इन सभी स्थानों पर 14 अप्रैल से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खुद को 'आलमगीर' कहने वाला महाराष्ट्र में हारा युद्ध

- औरंगजेब कब्र विवाद के बीच अमित शाह का बड़ा बयान
- मैं यहां पर शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेने के लिए आया हूं
- शाह बोले, शिवाजी के बारे में हर बच्चे को जानना जरूरी

मुंबई (एजेंसी)। मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर हुए विवाद के बीच गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को रायगढ़ किला पहुंचे। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने छत्रपति महाराज को नमन किया। इसके बाद अमित शाह ने कहा कि शिवाजी को महाराष्ट्र तक सीमित मत रखिए। उनकी विरासत पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अमित शाह ने औरंगजेब खुद को आलमगीर कहता था, लेकिन वह महाराष्ट्र में पराजित हुआ और यहीं पर उसकी समाधि बनी। इससे पहले अमित शाह छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और फिर कहा कि वे इस रायगढ़ किले पर कोई राजनीति करने नहीं आए हैं। शाह ने कि कल्पना कीजिए जब शिवाजी भगवा लेकर इस रायगढ़ के किले पर आए होंगे तब देश में कैसा माहौल रहा होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ, तब पूरा देश अंधकार में था। उस वक्त पर किसी के लिए भी स्वराज के बारे में सोचना मुश्किल था। देवगिरि के पतन के बाद अगले 100 साल में पूरा दक्षिण ढह गया। इसके बाद 12 साल के बच्चे ने जीजाबाई से प्रेरणा लेकर सिंधु से कन्याकुमारी तक भगवा (शासन) स्थापित करने की शपथ ली थी। अमित शाह ने कहा कि छत्रपति शिवाजी ने जिजाऊ के संस्कार को वटवृक्ष बनाया और शिवाजी के बाद जब तक औरंगजेब जिंदा रहा तब तक संभाजी महाराज, महारानी लक्ष्मी बाई, धनोजी संतो जी लड़ते रहे। अपने आपको आलमगीर कहने वाला (औरंगजेब) महाराष्ट्र में पराजित हुआ और यहीं उसकी समाधि बनी। शाह ने कहा कि ये शिवचरित्र को हम सबका दायित्व की भारत के बच्चे-बच्चे को सिखाया और पढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि मैं यहां पर प्रेरणा लेने आया हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायगढ़ किले में शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार में चुनावी माहौल गरमाने की शुरू हुई तैयारी!

पटना (एजेंसी)। इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसमें भाजपा भी पूरी तरह चुनावी मोड में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को मधुबनी आ रहे हैं।

पीएम मोदी की प्रस्तावित यात्रा को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह पटना में पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शनिवार को बताया कि इस बैठक में एनडीए घटक दल के नेता भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को मधुबनी में आगमन हो रहा है। वह यहां एक रैली को संबोधित करेंगे।

देशभर में यूपीआई सर्विस ठप्प, यूजर रहे परेशान

- 3 घंटे से ज्यादा समय तक रही डाउन, बनी हुई है दिक्कत
- 20 दिन में तीसरी बार आई परेशानी, ट्रांजेक्शन में समस्या

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई सर्विस में करीब तीन घंटे तक समस्या रही। सुबह करीब 11.30 बजे से 1.00 बजे तक सबसे ज्यादा पेमेंट फेल्योर रिपोर्ट की गई। काफी देर तक लोगों को यूपीआई पेमेंट करने में दिक्कत आ रही है। बीते 20 दिन में यह तीसरी बार है जब ट्रांजेक्शन में समस्या हो रही है। वेबसाइट और ऑनलाइन सर्विसेज की रियलटाइम स्टेटस बताने वाला प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार के अनुसार, समस्या फेस कर रहे करीब 81 फीसदी लोगों को पेमेंट करने में समस्या आ रही है। 17 फीसदी लोगों को फंड ट्रांसफर करने और लगभग 2 फीसदी को खरीदारी करने में दिक्कतें हुईं। एजेंसी ने बताया, रुक-रुक कर टेक्निकल इश्यू हो रही है।

शिकायतों की संख्या पहुंची 2 हजार के पार– डाउनडिटेक्टर पर यूपीआई डाउन होने की शिकायत में दोपहर 12 बजे के आसपास तेजी आई। खबर लिखे जाने तक शिकायतों की संख्या 2 हजार के पार पहुंच गई थीं। डाउनडिटेक्टर वेबसाइट पर लाइव ग्राफ के अनुसार दोपहर 1.01 बजे तक टोटल 2,333 यूजर्स ने यूपीआई डाउन होने की शिकायत की है।

20 दिन में दो बार डाउन हुई यूपीआई सर्विस– पिछले 26 फरवरी को यूपीआई सर्विस करीब ढाई घंटे डाउन रही थी। तब लोगों को गूगल पे, और पेटीएम जैसे एप से अमाउंट ट्रांसफर करने में दिक्कतें हुईं। इस दौरान 10 से ज्यादा बैंकों के यूपीआई और नेट बैंकिंग सर्विसेस पर भी असर पड़ा।

बांग्लादेश के आर्मी चीफ को अरेस्ट कराएंगे यूनुस

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में बीते साल हुए नाटकीय सियासी बदलाव के बाद सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां सबसे प्रमुख व्यक्ति बनकर उभरे थे। उनके इशारे पर ही शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की

कमान सौंपी गई। हालांकि कुछ महीनों के बाद ही बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वकार जमां और देश की सरकार के मुखिया यूनुस के बीच तनातनी की खबरें आने लगीं। अब स्थिति बद से बदतर हो गई है और यूनुस किसी तरह जमां को रास्ते से हटाने की जुगत में हैं। यहां तक कि उनकी गिरफ्तारी कर फांसी भी दी जा सकती है।

एल्युमीनियम फॉयल फैक्ट्री में विस्फोट, 5 लोगों की मौत

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित एक एल्युमीनियम फॉयल फैक्ट्री भयावह घटना सामने आई है। शुक्रवार की शाम को उमरेड में स्थिल इस फैक्ट्री मे भयानक विस्फोट हो गया। इसमें पांच लोगों की मौत हे गई। यह घटना फैक्ट्री की पॉलिश ट्यूबिंग यूनिट में हुई, जहां उस समय 87 लोग मौजूद थे। अस्पताल में इलाज के दौरान दो पीड़ितों की मौत हो गई, जबकि तीन लापता व्यक्तियों की बाद में मौत की पुष्टि हुई। एमआईडीसी में स्थित फैक्ट्री में विस्फोट की जांच चल रही है। नागपुर जिले के उमरेड में शुक्रवार शाम को एक एल्युमिनियम फॉयल निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, दो पीड़ितों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि तीन अन्य की मौत की पुष्टि शनिवार को हुई, जिनके बारे में शुरू में बताया गया था कि वे लापता हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के लिए भी तय की डेडलाइन

- कहा-राज्यपाल जो बिल भेजते हैं, उन पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। शुक्रवार रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राज्यपालों की ओर से भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या

पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को

प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे।

पति के टुकड़े करने वाली मुस्कान डेढ़ महीने की प्रेग्नेंट

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान 5-7 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। शुक्रवार सुबह उसे कड़ी सुरक्षा के बीच लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज लाया गया। हाई सिक्योरिटी में मुस्कान का अल्ट्रासाउंड कराया गया। वह करीब 2 घंटे जेल से बाहर रही। वरिष्ठ जेल

अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया- जिला जेल के महिला बैरक की दो कैदियों को चेकअप और कुछ टेस्ट के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। मुस्कान और संगीता दोनों का अल्ट्रासाउंड कराया गया। जिसमें मुस्कान डेढ़ महीने और संगीता 3 महीने की प्रेग्नेंट मिली हैं। 19 मार्च से मुस्कान जिला जेल में बंद है। आज 20 दिन बाद मुस्कान जेल से बाहर निकली। उसने जेल से बाहर का माहौल देखा। 2 अप्रैल को मुस्कान बैरक से बाहर जेल के वीसी रूम तक गई थी। जहां उसकी पेशी हुई थी।

सिखों ने अपने शौर्य-पराक्रम से हमेशा की है देश और धर्म की रक्षा : योगी आदित्यनाथ

खालसा पंथ के स्थापना दिवस 'बैसाखी' पर मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खालसा पंथ के स्थापना दिवस और बैसाखी पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। नाका हिंडोला स्थित गुरुद्वारे में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी ने 1699 में खालसा पंथ की स्थापना कर देश और धर्म की रक्षा का संदेश दिया था। सीएम योगी ने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना करने का उद्देश्य था कि "सकल जगत में खालसा पंथ जागे, जगे धर्म हिन्दू, सकल भंड भाजे।" गुरू गोविंद सिंह जी ने औरंगजेब के क्रूर शासन के खिलाफ पंज प्यारों के साथ खालसा पंथ की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने गुरू गोविंद सिंह जी महाराज द्वारा स्थापित खालसा पंथ के 325 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि सिख समुदाय ने हर विपरीत परिस्थिति में अपने शौर्य और पराक्रम से देश-धर्म की रक्षा की। उन्होंने गुरू नानक देव जी से शुरू हुई सिख परंपरा को विश्व में अनुपम बताया।

हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत हैं गुरू गोविंद सिंह के उपदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक तरफ क्रूर औरंगजेब का शासन था, अत्याचार की पराकाष्ठा थी, जजियाकर के जरिए हिन्दुओं को पूरी तरह से इस्लाम में बदलने की क्रूर चाल थी, मंदिरों को तोड़ा जा रहा था और बहन बेटियों की इज्जत पर सरेआम हाथ डाला जा रहा था, उस समय अपने एक लाख शिष्यों के साथ देश और धर्म पर मंडरा रही इस ज्वलंत समस्या के खिलाफ प्रभावी शंखनाथ करने का कार्य दशमेश गुरू गोविंद सिंह जी महाराज ने किया। उन्होंने इसका नाम खालसा रखा। खालसा का मतलब, 'परमात्मा के विशेष जन, जो पूर्ण निर्मल मन से कार्य कर सकें।' उनके उपदेश आज भी हमारे लिए प्रेरणा हैं। केवल सिखों के लिए नहीं बल्कि हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। सीएम योगी ने कहा कि सिख कहीं भी होगा वह बिना झुके बिना डिगे अपने पथ पर आगे बढ़ता है इसीलिए सरदार कहलाता है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब और तराई में हुए धर्मांतरण पर जताई चिंता

सीएम योगी ने तराई और पंजाब में हो रहे धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी ने बिना भेदभाव के पंज प्यारे चुने थे। गुरुद्वारों में आज भी हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के लंगर मिलता है, फिर भी धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। इसे रोकने और इसके कारणों का निवारण करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने पंज प्यारों का जिक्र करते हुए बताया कि लाहौर के दयाराम, दिल्ली के धर्मदास, द्वारका के मोहकम चंद, जगन्नाथ पुरी के हिम्मत राय और बीदर के साहेब चंद के रूप में बिना किसी भेद-भाव के खालसा पंथ की स्थापना की गई थी। उन्होंने गुरू गोविंद सिंह को शहीद पिता का पुत्र और शहीद पुत्रों का पिता बताते हुए उनके बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के बंदे जहां कहीं भी गये हैं, उन्होंने अपने जज्बे, संघर्ष, शौर्य और पराक्रम से अपना लोहा मनवाया है।

तराई के युवाओं को सीएम योगी ने दिया पलायन न करने का संदेश

मुख्यमंत्री ने तराई क्षेत्र के सिख युवाओं के विदेश पलायन पर भी चिंता जताई और कहा कि सिख समुदाय ने मलेरिया प्रभावित इस क्षेत्र को उपजाऊ बनाया, लेकिन अब इसे और मजबूती देने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से गुरू परंपरा के उपदेशों का पालन कर पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस पराक्रम और पुरुषार्थ के लिए गुरू गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी हमें उससे भागना नहीं है। जो भी कौम अपने पुरुषार्थ से डिगेगी उसके सामने संकट आएगा। हमें गुरू परंपरा के साथ उनके उपदेशों का अक्षरशः पालन करना चाहिए।

गुरू तेग बहादुर जी की 350वीं जयंती पर यूपी में होंगे भव्य कार्यक्रम

सीएम ने बताया कि गुरू गोविंद सिंह के चार साहिबजादों की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस पूरे देश में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू तेग बहादुर जी की 350वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश में भव्य आयोजन की योजना है। राज्य सरकार के स्तर पर क्या क्या कार्यक्रम होने हैं, इसे लेकर प्रदेश की गुरुद्वारा कमेटी को व्यापक रूपरेखा तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरू तेग बहादुर, गुरू गोविंद सिंह, चारों साहिबजादों और सिख योद्धाओं का बलिदान उनके स्वयं के लिए नहीं था, देश और धर्म के लिए था। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। इस वर्ष आयोजित होने वाला कार्यक्रम गुरू परंपरा के प्रति हमारी ओर से कृतज्ञता ज्ञापित करने का बड़ा माध्यम होगा। उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंध कमेटियों से गुरू तेग बहादुर जी की 350वीं जयंती के आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और कहा कि गुरू परंपरा के प्रति सच्ची कृतज्ञता यही होगी कि उनके आदर्शों को जीवंत रखा जाए।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, विधान परिषद् सदस्य मुकेश शर्मा, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह, गुरुद्वारा साहिब याहियागंज के अध्यक्ष डॉ गुरमीत सिंह, सतनाम सिंह सेठी, मंजीत सिंह तलवार, डॉ अमरजीत सिंह, सुरेन्द्र पाल सिंह, दलजीत सिंह बग्गा, सतवीर सिंह सन्नी, प्रीत सिंह अरोड़ा सहित अन्य गणमान्य एवं बड़ी संख्या में सिख समुदाय के श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास का मामला सुलझा, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात हुई हत्या के प्रयास के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया। दयालपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के कब्जे से एक कट्टा और एक खोखा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया था। दरअसल, 10 अप्रैल की रात लगभग 10 बजे पुलिस को मुस्तफाबाद गली नंबर 15 में फायरिंग होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कॉलर अतीक अहमद ने पुलिस को बताया कि उसके 25 वर्षीय बेटे मेहराज को कुछ अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी है। घायल मेहराज को तत्काल जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 109(1)/3(5) बीएनएस तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27/54/59 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान इंस्पेक्टर परमवीर दहिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इसमें एसआई महिपाल, एसआई जुगनू, एचसी संदीप, पुष्पेंद्र तथा कांस्टेबल गुलफाम और अमित शामिल थे। यह टीम गोकलपुरी एसीपी दीपक चंद्र के मार्गदर्शन में संदिग्धों की तलाश में जुटी रही। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने दो आरोपियों आकिब उर्फ अक्की (19) और शरीफ उर्फ शारिक (19) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के क्रम में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि मेहराज के साथ उनका पुराना झगड़ा था। इसी रंजिश के चलते उन्होंने मेहराज पर जानलेवा हमला किया। आरोपियों की निशानदेही पर अपराध में इस्तेमाल एक कट्टा और खोखा बरामद क?िया गया। मामले में आगे की कार्यवाही जारी है।

दिल्ली के मुनिरका में एक व्यक्ति ने अपने लिव-इन-पार्टनर साथी की हत्या की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के मुनिरका इलाके में एक व्यक्ति ने प्रेम-संबंध के संदेह में अपनी 27 वर्षीय सहजीवन साथी (लिव-इन-पार्टनर) की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मणिपुर के सेनापति जिले के रहने वाले जगमिनथांग को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला की पहचान मणिपुर के चुराचांदपुर की रहने वाली लहिंग जनेंग के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'आठ अप्रैल को दोपहर करीब 1ः57 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) पर एक कॉल आई, जिसमें मुनिरका के क्रांति चौक पर एक मेडिकल स्टोर के पास शव होने की जानकारी दी गई। पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और एक इमारत की पांचवीं मंजिल पर एक कमरे के अंदर एक महिला का शव पड़ा हुआ पाया।' अधिकारी ने बताया कि सोमवार की रात को दोनों ने एक पार्टी आयोजित की, जिसमें तीन अन्य लोग – कपगौलाल, नेमनेथेम और किमनेथेम भी शामिल हुए। पार्टी आधी रात तक जारी रही, जिसके बाद मेहमान चले गए। उन्होंने कहा कि रात के समय, जगमिनथांग ने पास के किशनगढ़ इलाके में किसी दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध होने के संदेह में लहिंग पर शारीरिक हमला किया। अधिकारी ने कहा, 'निरीक्षण के दौरान, शव पर कई चोट के निशान पाए गए। अपराध और फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल की जांच की। सफदरजंग अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया, जहां चिकित्सक ने मौखिक तौर पर बताया कि मौत का संभावित कारण शारीरिक हमला है।' सोमवार को पार्टी में शामिल हुए लोगों के अनुसार, लहिंग पर दो दिन पहले शारीरिक हमला किया गया था और पार्टी के दौरान उसे धमकाया भी गया था। मेडिकल-लीगल केस रिपोर्ट के आधार पर, भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा, 'पूछताछ के दौरान, आरोपी ने शुरू में पुलिस को गुमराह किया, लेकिन लगातार पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के बाद, उसने अपराध कबूल कर लिया।'

दिल्ली हवाई अड्डे पर 350 से अधिक उड़ानों में देरी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हवाई अड्डे पर हवाई यातायात की भीड़ के कारण शनिवार को 350 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण शुक्रवार शाम को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर परिचालन बाधित हो गया और इसके प्रभाव से शनिवार को भी उड़ानों की आवाजाही प्रभावित हुई। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' (डायल) ने 'एक्स' पर दोपहर दो बजकर सात मिनट पर एक पोस्ट में कहा दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन में सुधार हो रहा है; हालांकि, कल रात की मौसम की स्थिति के कारण कुछ उड़ानें अभी भी प्रभावित हैं। पोस्ट में कहा गया, ''हमारी विभिन्न टीम और सभी हितधारक यात्रियों की किसी भी असुविधा को कम करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।'' उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24डॉट कॉम' पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 350 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई है और उड़ान प्रस्थान में औसत देरी 40 मिनट से अधिक थी। विमानन कंपनी इंडिगो ने 'एक्स' पर दोपहर एक बजकर 32 मिनट पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली में हवाई यातायात की भीड़ के कारण उड़ानों को उड़ान भरने और उतरने की मंजूरी के लिए रोका जा रहा है। इस वजह से पूरे नेटवर्क में कुछ उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं।'' हवाई अड्डे पर अभी केवल तीन रनवे चालू हैं क्योंकि एक रनवे रखरखाव कार्यों के लिए बंद है।

दिल्ली हवाई अड्डा पर महिला पुलिसकर्मियों के लिए गुलाबी बैरक का अनावरण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हवाई अड्डा पर महिला पुलिसकर्मियों के लिए सुरक्षित और बेहतर स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस ने अत्याधुनिक गुलाबी बैरक का उद्घाटन किया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विशेष रूप से महिलाकर्मियों के लिए तैयार इस बैरक को 'अक्षी द पिंक एबोड' का नाम दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस सुविधा का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया।

आईजीएनसीए में 'अयोध्या पर्व' के अवसर पर तीन प्रदर्शनियों का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में तीन दिवसीय 'अयोध्या पर्व' के शुभारम्भ के अवसर पर तीन प्रदर्शनियों का उद्घाटन और तीन किताबों का विमोचन किया गया है। आईजीएनसीए की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि शुक्रवार को मर्यादा पुरुषोत्तम' पर आधारित पद्मश्री वासुदेव कामत के चित्रों की प्रदर्शनी, वाल्मीकि रामायण पर आधारित पहाड़ी लघुचित्र प्रदर्शनी और चौरासी कोसी अयोध्या के तीर्थस्थल पर आधारित 'बड़ी है अयोध्या' प्रदर्शनी लगाई गयी है।

प्रदर्शनी का उद्घाटन अयोध्या के मणिरामदास छावनी के महंत पूज्य कमल नयन दास जी महाराज, गीता मनीषी महामंडलेश्वर पूज्य ज्ञानानंद जी महाराज, जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय, आईजीएनसीए के ट्रस्टी वासुदेव कामत ने किया। इस मौके पर गणमान्य अतिथियों ने तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा, 'अयोध्या आनंद और जागृति की कुंजी है। अयोध्या हमारी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। अयोध्या हमारी प्रेरक शक्ति है। अयोध्या राष्ट्र का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आधार भी है। हज़ारों वर्षों से अयोध्या ने हमारी राष्ट्रीय पहचान और पूरे समाज को जोड़े रखने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ÷मैं नई पीढ़ी से जरूर कहना चाहूंगा कि एक तरफ अयोध्या में जहां आप अध्यात्म का स्वर्ण शिखर देख सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में आपको व्यक्तिगत मूल्यों और आकांक्षाओं का प्रतीक मूल्य भी स्पष्ट रूप से नजर आएगा।÷ श्री सिन्हा ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है।

आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कहा, 'भौतिक अयोध्या 84 कोस की हो सकती है, लेकिन आध्यात्मिक अयोध्या अनंत है, आकाश की तरह अनंत।'

गीता मनीषी पूज्य ज्ञानानंद जी ने कहा, 'भारत परम्पराओं का देश है। इसमें पर्व परम्परा का विशिष्ट स्थान है। भारत केवल भौगोलिक आकार नहीं है, एक विचार है। एक चिंतन है।'

पूज्य महंत कमल नयन दास महाराज ने कहा, ÷जब तक समरसता नहीं होगी, तब तक ज्ञान की पूर्णता भी नहीं होगी।'

उद्घाटन सत्र के बाद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शृंखला में राजकुमार झा और उनके साथी कलाकार विनोद व्यास तथा पंकज ने मृदंग वादन से समां बांध दिया। इसके बाद, प्रज्ञा पाठक, विनोद व्यास, साकेत शरण मिश्र एवं उनके साथी कलाकारों ने अपने भजन गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव श्रद्धा, शास्त्रीयता और संवाद का संगम होगा, जिसमें देशभर के साधु-संत, सांस्कृतिक मनीषी, राजनेता, विद्वान, और कलाकार एक साथ जुटेंगे।

पर्व के दूसरे दिन यानी आज पूर्वाह्न 11 बजे 'भारतीय समाज में मंदिर प्रबंधन' विषय पर एक संगोष्ठी हुयी, जिसमें अयोध्या के प्रमुख संत-महंतों के साथ प्रशासनिक और सांस्कृतिक विद्वान शामिल हुए। अंतिम दिन 13 अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे 'कुबेरनाथ राय के निबंधों में श्रीराम' विषय पर संगोष्ठी में हिंदी साहित्य के विद्वान भाग लेंगे।

समापन समारोह में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पूज्य गोविंद देव गिरि जी महाराज, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय, आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) एवं कला निधि

प्रभाग के प्रमुख प्रो. रमेश चंद्र गौड़ और सुप्रसिद्ध कलाकार सुनील विश्वकर्मा की उपस्थिति रहेगें। इस मौके पर फौजदार सिंह और साथी कलाकार आल्हा गायन तथा लोकगायिका विजया भारती लोकगीतों की प्रस्तुति देंगी।

'अयोध्या पर्व 2025' का आयोजन कला, अध्यात्म और भारतीय जीवनमूल्यों के नवसंचार का एक अनूठा प्रयास है।

चंदगीराम टी प्वाइंट पर बनेगा फ्लाईओवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने रिंग रोड पर सिविल लाइंस के पास पड़ने वाले चंदगीराम अखाड़े टी-प्वाइंट (मेटकॉफ टी-जंक्शन) पर फ्लाईओवर बनाने को मंजूरी दे दी है। फ्लाईओवर बनने के बाद लाल बत्ती खत्म होने के साथ सलीमगढ़ बाईपास (शांतिवन) से वाया मजनू का टीला व सिग्नेचर ब्रिज तक का सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा। फ्लाईओवर का फायदा यहां से रोजाना गुजरने वाले करीब दो लाख से अधिक वाहन चालकों को होगा। इससे सिविल लाइंस, उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, बुराड़ी से नई दिल्ली के बीच रोजाना आवाजाही करने वालों का वक्त भी बचेगा।

अधिकारियों के मुताबिक, यह फ्लाईओवर 680 मीटर लंबा होगा। यह सिविल लाइंस स्थित ट्रामा सेंटर से आगे डीआरडीओ के बीच बनेगा। इसे बनाने के लिए 183 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस दौरान यहां सड़क का चौड़ीकरण भी होगा। इसके अलावा यू-टर्न भी बनाया जाएगा, जिससे लोगों को परेशानी न हो। यहां फुटपाथ और सड़क पार करने के लिए अलग से कॉरिडोर भी बनाने की योजना है।

वर्तमान में इस चंदगीराम अखाड़े पर लाल बत्ती की वजह से पीक आवर्स में लंबा जाम लगता है। पीक आवर्स में अगर आप आईएसबीटी कश्मीरी गेट से मजनू की टीला की तरफ जा रहे है, तो कई बार जाम की वजह से लाल बत्ती को पार करने में 20 मिनट से भी अधिक समय लग जाता है। इसी रास्ते से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की बसें भी आवाजाही करती हैं। इसके चलते लाल बत्ती पर वाहनों की लंबी कतारें लगती है।

लोगों को जाम मुक्त सफर देना मकसद

पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने फ्लाईओवर की मंजूरी पर कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आधुनिक, कुशल और यात्री-अनुकूल सड़क नेटवर्क के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और 'जन-जीवन को सरल बनाने के विजन के अनुरूप यह परियोजना उत्तर दिल्ली के सबसे व्यस्त जंक्शनों में से एक को डी-कंजेस्ट करेगी। इस फ्लाओवर के लिए 183 करोड़ रुपये की मंजूरी देने का उदेश्य यात्रा का समय कम करना, प्रमुख सड़कों पर दबाव घटाना और पूरे दिल्ली में जाममुक्त सफर का अनुभव कराना है।

इन इलाकों को फायदा होगा

फ्लाईओवर बनने के बाद मेटकॉफ हाउस टी-जंक्शन पर लाल बत्ती खत्म होगी। इसके चलते सिविल लाइंस में रहने वाले लोग, पुराना दिल्ली सचिवालय, विधानसभा के लिए आना-जाना आसान होगा। इसके अलावा आईएसबीटी से बुराड़ी, मजनू का टीला, सिविल लाइंस और उत्तर-पूर्वी की आवाजाही सुगम होगी। सलीमगढ़ बाईपास से मजनू का टीला तक का सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा। यहां स्थित ट्रॉमा सेंटर जैसी मेडिकल सुविधाओं तक आपातकालीन स्थिति में पहुंचना आसान होगा। हिमाचल, पंजाब, हरियाणा की ओर अंतरराज्यीय रास्तों का संपर्क भी बेहतर होगा।

जलवायु अनुकूल वाटरशेड प्रबंधन को लेकर टेरी का विशेष आयोजन

धरती माता खतरे में, समय रहते कदम जरूरी : डॉ. हीरा लाल पटेल

नई दिल्ली : द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परती भूमि विकास विभाग उत्तर प्रदेश जो इस योजना की राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी है के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यशाला का मुख्य विषय "जलवायु अनुकूल एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन" था।

कार्यक्रम का उद्देश्य नीति-निमार्ताओं, कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, किसानों और क्षेत्रीय कार्यकताओं को जलवायु अनुकूल वाटरशेड प्रबंधन की नीतियों, नवीनतम तकनीकों और सर्वोत्म प्रथाओं से अवगत कराना और उन्हें सशक्त बनाना था।

टेरी के जल संसाधन प्रभाग के निदेशक और सीनियर फेलो अंशुमान ने उद्घाटन भाषण में कहा कि देश में जल की उपलब्धता की नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता की समस्या है। जब तक हम जल की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान नहीं देंगे, तब तक स्थायी विकास संभव नहीं है। कृषि क्षेत्र में पुरानी तकनीकों को छोड़कर आधुनिक और नवीन तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश सरकार के परती भूमि विकास विभाग के सीईओ डॉ. हीरा लाल पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर और तात्कालिक संकट है। जन, जंगल और जमीन ये हमारी धरती माता के प्रतीक हैं। जैसे हम अपनी जैविक माता की देखभाल करते हैं, वैसे ही धरती माता की रक्षा करना हमारा धर्म है। उन्होंने

जागरूकता और सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के ह्यदिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंसह्ण की प्रोफेसर और ह्यसाइजह्ण संस्था की संस्थापक प्रो. रूपिंदर ओबेरॉय ने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकताओं और किसानों के अनुभवों को नीतियों में शामिल किया जाना चाहिए। हमें पानी को सिर्फ पानी नहीं, एक अनमोल संसाधन समझकर उसके संरक्षण की दिशा में कार्य करना चाहिए। टेरी के बीके लाभ जो जैन इरीगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट भी हैं, ने कहा कि अब हमें तकनीक से तरक्की की दिशा में बढ़ना होगा। ड्रिप इरीगेशन जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण और उत्पादन क्षमता दोनों में सुधार किया जा सकता है। किसानों को नई तकनीकों के साथ कॉर्पोरेट फार्मिंग की ओर भी बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान जलवायु-लचीले वाटरशेड प्रबंधन के चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रमुख रूप से निम्न विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें कृषि वानिकी और प्रकृति-आधारित समाधान, जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां, जल संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकियों का उपयोग, मॉडल गांव परियोजनाओं की सफलता की कहानियां शामिल थे।

कार्यक्रम ने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने और जल संकट से निपटने के लिए समन्वित प्रयास, तकनीकी नवाचार, और जन-जागरूकता समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजनों से न केवल नीति-निर्माण में मदद मिलती है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी बड़ा प्रभाव पड़ता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शहीद की बेटी की शादी में निभाया 'भाई' का वादा, पुलवामा शहीद हेमराज मीना के घर गूंजे बैंड-बाजे

कोटा/नई दिल्ली

देश सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के परिवारों के साथ निभाए गए वादे जब समय पर पूरे होते हैं, तो सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि एक मिसाल बन जाती है। ऐसा ही एक भावुक क्षण शुक्रवार को राजस्थान के सांगोद (कोटा) में देखने को मिला, जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान हेमराज मीना की बेटी रीना की शादी में मायरा लेकर शामिल होकर वर्षों पहले किया गया वादा निभाया।

शहीद हेमराज मीना की पत्नी वीरांगना मधुबाला और पूरा परिवार इस भावुक मौके पर गर्व और आनंद से भाव-विभोर नजर आया। छह साल पहले जब 2019 में पुलवामा हमले में श्री मीना शहीद हुए थे, तब से श्री बिरला इस परिवार के साथ 'राखी भाई' के रूप में खड़े रहे हैं। उन्होंने मधुबाला को बहन का दर्जा देते हुए वचन दिया था कि वह हर सुख-दुख में साथ रहेंगे और शुक्रवार को उन्होंने उस रिश्ते को फिर एक बार जिया। शादी में जब रीना की माँ मधुबाला की ओर से मायरे की रस्म आई, तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला स्वयं मायरा लेकर शहीद के घर पहुंचे। उन्होंने पारंपरिक रूप से बहन को चुनरी ओढ़ाई, तिलक कराया और पूरे रीति-रिवाज के साथ मायरे की रस्म अदा की। इस मौके पर सांगोद विधायक एवं राज्य के ऊर्जा मंत्री

हीरालाल नागर भी उपस्थित रहे। श्री बिरला ने शहीद हेमराज मीना की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और कहा कि हेमराज मीना का बलिदान राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। देश उनके ऋण को कभी नहीं चुका सकता, लेकिन हम सबका दायित्व है कि उनके परिवार को कभी अकेला महसूस न होने दें। इस समारोह में उपस्थित सभी लोगों की आंखें उस समय नम हो गईं, जब मधुबाला ने भाई ओम बिरला का तिलक किया और आरती उतारी। हर कोई इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठा। यह कोई साधारण रस्म नहीं थी, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते की वह गहराई थी, जो खून के रिश्तों से भी कहीं अधिक मजबूत साबित हुई। श्री बिरला न सिर्फ राखी और भाई दूज पर मधुबाला से राखी बंधवाते हैं, बल्कि हर पर्व और संकट की घड़ी में उनके साथ रहते हैं। उनकी यह संवेदनशीलता और मानवीयता ही उन्हें जनता के दिलों के और करीब ले जाती है। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि एक जनप्रतिनिधि अगर दिल से साथ निभाए, तो वह सिर्फ नेता नहीं, परिवार का हिस्सा बन जाता है।

हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फोटो वाली वोटर सूची बनाने का दिया आदेश

–सिख नेताओं के बीच शुरू हुई आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को लगभग पांच माह में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) चुनाव के लिए सिख मतदाताओं की फोटो वाली नई मतदाता सूची बनाने को कहा है। इससे सिख नेताओं को इसी वर्ष डीएसजीएमसी चुनाव होने की उम्मीद है। इसे लेकर बयानबाजी भी शुरू हो गई है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद बादल) ने अदालत के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि इससे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटीचुनाव राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक लगेगी। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने भी इसका स्वागत किया है। शिअद बादल के प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने कहा कि चुनावी बिगुल बज गया है। डीएसजीएमसी प्रबंधक चुनाव टालने के प्रयास में था। हाई कोर्ट के निर्देश से उसका अहंकार टूटा है। गुरमीत सिंह शंटी और मनजीत सिंह जीके की याचिका पर आया यह निर्णय एतिहासिक है। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव पर चुनाव प्रक्रिया पूरी कराने की जिम्मेदारी डालकर कोर्ट ने राजनीतिक हस्तक्षेप की आंशका को दूर कर दिया है। डीएसजीएमसी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने कहा कि हाई कोर्ट के निर्देश के अनुसार मुख्य सचिव को चार सप्ताह में सभी विभागों के साथ बैठक कर नई मतदाता सूची बनाने का काम शुरू करने की व्यवस्था करनी होगी।

इस वर्ष दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के होंगे चुनाव

उसके बाद चार माह और 21 दिनों में नई वोटर सूची का प्रकाशन करना होगा। इससे उम्मीद है कि इस वर्ष दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी चुनाव हो जाएंगे। अकाली नेताओं ने आरोप लगाया कि डीएसजीएमसी प्रबंधक चुनाव टालने के प्रयास में थे। डीएसजीएमसी अध्यक्ष कालका ने शिअद बादल के नेताओं के आरोप को आधारहीन बताया।

पेट्रोल, डीजल, गैस के दाम बढ़ाकर जनता के जख्मों पर नमक छिड़क रही है सरकारः युवा कांग्रेस

–पेट्रोल-डीजल-रसोई गैस के दाम बढ़ाने के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ शनिवार को यहां विरोध प्रदर्शन कर सरकार से सवाल किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें गिर रही है तो देश की जनता को क्यों लूटा जा रहा है।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आंकड़े बताते हैं कि देश में 100 करोड़ लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और हालात बद से बदतर होने वाले हैं। जनता तिल-तिल कर जिए या महंगाई में दबकर मर जाए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन सब से फर्क नहीं पड़ता। वह सिर्फ यही चाहते हैं कि उनके दोस्तों की तिजोरी लबालब भरी रहे।

उन्होंने कहा, 'मई 2014 के मुक़ाबले अंतरराष्ट्री य बाजार में कच्चे तेल की क़ीमत में 41 प्रतिशत की गिरावट आई है, पर लुटेरी मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम करने के बजाय, 2-2 रुपये बढ़ा दी है। महंगाई से तड़पती जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रहे है, महँगाई का चाबुक उज्ज्वला की ग़रीब महिलाओं की बचत पर भी चल गया। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ा दिए हैं, 'महंगाई मैन' मोदी ने जनता को महंगाई का तगड़ा झटका दिया है। लूट, वसूली, हेराफेरी सब मोदी सरकार के पर्याय बन चुके हैं।'

दिल्ली युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने इस दौरान कहा कि पीएम मोदी की नीति है अपनों पर सितम, गैरों पर रहम। क्या केंद्र सरकार टैरिफ का जवाब इस प्रकार से सरकारी लूट मचा कर देगी। पूरे देश में उदासी का माहौल है और अंधेरा छाया हुआ है, स्टॉक मार्केट, महंगाई, बेरोजगारी के हालात देखिए, नरेंद्र मोदी से अर्थव्यवस्था संभल नहीं पा रही। उनकी नीतियां देश को हर क्षेत्र में नुकसान पहुंचा रही हैं। मोदी हर क्षेत्र में फ्लॉप साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 35 रुपए लीटर बिक रहा है, ये पिछले चार साल में कच्चे तेल की कीमतों में आई सबसे बड़ी गिरावट है। लेकिन श्री मोदी और उनकी सरकार देश की जनता को इस सस्ते तेल का रत्ती भर भी फायदा नहीं देना चाहते। आखिर क्यों? मोदी सरकार ने जनता को महंगाई के चक्रव्यूह में फंसा लिया है। हर वक्त उनकी जेब काटने और उन्हें लूटने की साजिश रची जा रही है।' दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने यह मांग कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों को वापस ले और महंगाई से त्रस्त जनता को राहत दे अन्यथा युवा कांग्रेस इस प्रकार से ही सड़क से लेकर संसद तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी।

14-04-2025 ISN:Layout 1 4/14/2025 8:00 AM Page 3

अंसल की संपत्तियों से अब वसूला जाएगा गृहकर, छह हजार संपत्तियों पर बन रहा भारी भरकम टैक्स

लखनऊ, एजेंसी। कैबिनेट से हाईटेक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप से जुड़ी संसोधित नियमावली के पास होने के बाद अब शहीद पथ स्थित अंसल एपीआई टाउनशिप में रहने वालों के अलावा व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालकों को भी गृहकर जमा करना होगा। अंसल में मकान प्लॉट की संख्या करीब छह हजार है। यहां करीब 10 बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी हैं। पिछले वित्तीय वर्षों में अंसल की आवासीय और व्यावसायिक सम्पत्तियों पर करीब 35 करोड़ रुपये और चालू वित्तीय वर्ष का करीब 15 करोड़ रुपये गृहकर बकाया है। इस तरह यहां से करीब 50 करोड़ रुपये गृहकर मिलेगा। पैसा लेकर आवंटियों को मकान-प्लॉट न देने बाली बिल्डर कंपनी अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पर एनसीएलटी ने दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई की है। शासन और सरकार की सख्ती के बाद अब अंसल की टाउनशिप में रहने वालों को गृहकर जमा करना होगा। अभी तक अंसल कंपनी की ओर से यह कहकर विरोध किया जा रहा था कि हाईटेक नीति के तहत उसे गृहकर से छूट है, क्योंकि कॉलोनी अभी पूरी नहीं और नगर निगम को हैंडओवर नहीं है।

कैबिनेट ने ये प्रस्ताव किया है पास

बुधवार को कैबिनेट ने यह प्रस्ताव पास कर दिया है कि जो हाईटेक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप हैंडओवर नहीं हैं, उनमें भी गृहकर और जलकर वसूला जा सकेगा, क्योंकि कई टाउनशिप ने समय से विकास कार्य पूरे नहीं किए हैं।

गृहकर के लिए यह है कि नियम

नगर निगम अधिनियम की भाषा 177 ज के तहत सीमा विस्तार के बाद जिन इलाकों में पानी, मार्ग प्रकाश और सड़क की सुविधा है, वहां पर शासनादेश जारी होने के बाद तत्काल गृहकर वसूला जा सकता है। जिन नए इलाकों में ये सुविधाएं नहीं हैं, वहां पर सीमा विस्तार के पांच साल बाद ही गृहकर लगाया जा सकता है। 2019 में नगर निगम के सीमा विस्तार में अंसल एपीआई टाउनशिप भी दायरे में आ गई है। इसके बाद भी अंसल गृहकर जमा नहीं कर रहा था। यह विवाद मंडलायुक्त से लेकर शासन तक गया, मगर दबाव में मामला दब गया।

पांच साल की मियाद पूरी

अंसल एपीआई को सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप विकसित करने का लाइसेंस 2005 में दिया गया था। उसे पांच साल में टाउनशिप विकसित करके निकाय को हैंडओवर करना था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। 2023 में संशोधित लेआउट पास करते हुए अंसल को पांच अप्रैल 2028 तक का समय दिया गया है। इसी की आड़ लेकर अंसल हाउस टैक्स जमा नहीं कर रही थी।

दिसंबर 2020 से लिया जाएगा गृहकर

नगर निगम के जोनल अफसर अजीत राय ने बताया कि विस्तारित इलाकों में दिसंबर 2020 से गृहकर वसूल किए जाने का नियम बनाया गया है। अंसल में करीब छह हजार मकान-फ्लैट हैं। इनके अलावा लुलु मॉल, सेंट्रल होटल, डैमसन होटल, कंफर्ट इन होटल आदि बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं। इन पर कई करोड़ रुपये टैक्स बकाया है। सभी पर करीब 35 करोड़ रुपये टैक्स बकाया है। अंसल में आने वाला एक मात्र मेदांता अस्पताल ही है, जो टैक्स जमा कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गर्भवती पत्नी को दी दर्दनाक मौत, बेटी का भी काटा गला

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना लोहामंडी के खतैना में पत्नी और सौतेली बेटी की हत्या बड़ी बेरहमी से की गई। शबीना के सिर पर छह घातक प्रहार किए गए हैं, जबकि बेटी इनाया की गर्दन पर एक चोट का निशान मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस का मानना है कि पत्नी की सोते वक्त हत्या की गई है। बचाने आई बेटी की बाद में हत्या की गई। दोनों के शव खराब हो चुके थे। मृतका गर्भवती थी। हत्यारोपी पति फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

लोहामंडी के खतैना में बुधवार को शबीना और उसकी 8 साल की बेटी इनाया के शव घर में कमरे में बंद मिले थे। दोनों के शरीर काफी फूल चुके थे। हत्यारोपी पति अब्दुल रशीद दोनों की हत्या करके शवों को कमरे में बंद करके चला गया था। अब्दुल के परिवारवालों ने ही पुलिस को सूचना दी थी। एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी का कहना है कि अब्दुल रशीद के घरवालों से अच्छे संबंध नहीं थे। वह झगड़ालू प्रवृति का था।

घर में ही मार्बल का काम करता था। उसके घरवाले उससे संबंध नहीं रखते थे। यही कारण था कि उसकी पत्नी और बेटी भी ज्यादा बात नहीं करती थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शबीना के सिर में छह चोटें हैं, जो किसी भारी वस्तु से प्रहार करने से आईं हैं। एसीपी ने बताया कि अनुमान है कि सोते वक्त पत्नी की हत्या की गई, जब बेटी ने देखा तो वह बचाने का प्रयास कर रही होगी, उसकी गर्दन पर एक ही चोट है।

दरोगा की काली करतूत: छात्रा को दिखाया शादी का सपना...फिर कर डाली ऐसी करतूत, जीते जी मर गई वो

आगरा , एजेंसी। आगरा के ट्रांस यमुना इलाके की छात्रा का हाथरस में तैनाती के दौरान प्रशिक्षु दरोगा ने शादी का वादा कर तीन साल तक शारीरिक शोषण किया। गर्भपात भी कराया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर कौशांबी में तैनात दरोगा के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है।

ट्रांस यमुना क्षेत्र की छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष 2022 में हाथरस में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। तभी उसकी मुलाकात गांव लुटसना हाथरस निवासी अविनाश कुमार से हुई। वह भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इसके बाद उसे प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म किया। उसने वादा किया था कि सरकारी नौकरी मिलते ही दोनों शादी कर लेंगे। 2023 में अविनाश का पुलिस उप निरीक्षक पद पर चयन हो गया। इसके बाद उसने अपने साथ एक कमरे में महीनों रखकर शारीरिक शोषण किया। गर्भवती होने पर दवा देकर गर्भपात कराया।

24 फरवरी को इंस्टाग्राम के जरिए उसे जानकारी हुई कि अविनाश ने अन्य युवती से शादी रचा ली है। विरोध करने पर उसने कहा कि परिवार वालों के दबाव में शादी की है। इसके बाद बहलाकर कालिंदी विहार स्थित त्यागराज होटल में शारीरिक शोषण किया। वीडियो भी बना लिया। अप्रैल में शादी करने का वादा किया। अब शादी की कहने पर धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई। उनके आदेश पर थाना ट्रांस यमुना में केस दर्ज किया गया है।

रोडवेज बस ने टेंपो को मारी टक्कर, जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने जा रहे आठ लोग घायल

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़-इगलास मार्ग पर बिजलीघर के सामने रोडवेज बस ने इलेक्ट्रिक टेंपो में टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो सवार तीन महिलाओं सहित आठ लोग घायल हो गए। इसमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को जेएन मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। गांव बेसली निवासी विपिन कुमारी की बेटी का 10 अप्रैल को जन्मदिन था। पार्टी में शामिल होने के लिए अलीगढ़ से रिश्तेदार गांव मुकंदपुर के बॉबी पुत्र राजकुमार के इलेक्ट्रिक टेंपो को बुकिंग पर लेकर आए थे। रात्रि करीब नौ बजे अलीगढ़ लौट रहे थे। बिजली घर के सामने रोडवेज बस के चालक ने तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। टेंपो में बैठी सवारियां घायल हो गई।

केशव प्रसाद बोले- जनता ने समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाने का बनाया मन, वक्फ बिल पर कही ये बात

कानपुर, एजेंसी। शहर आए उप मुख्यमंत्री केशप प्रसाद मौर्य ने वक्फ संशोधन बिल पर कहा कि इस बिल से सबसे अधिक परेशानी समाजवादी पार्टी को ही है। सपा और कांग्रेस जैसे दल इस संवैधानिक कानून को असंवैधानिक बताने का असफल प्रयास कर रहे हैं। बैठक के अंत में गांव चलो अभियान के अंतर्गत आगामी रणनीति पर भी चर्चा की गई।

इसके बाद उन्होंने वार्ड 93 में लाभार्थियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस पार्टी ने गरीबों, पिछड़े और दलितों के नाम पर गुमराह कर उनका वोट लिया है। अब भ्रष्टाचार से भरा गया धन बाहर लाया जा रहा है। सपा, बसपा और कांग्रेस नेताओं के घरों पर छापे पड़ने से भ्रष्टाचारी नेता परेशान हैं। सपा, बसपा, कांग्रेस सरकार की तस्वीर देखें और वर्ष 2025 की तस्वीर देखें तो अंतर खुद समझ आ जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में जुटने का आह्वान किया।

जनता ने समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी बनाने का बनाया मन: उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डबल इंजन की सरकार में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सभी जाति, वर्ग और समुदाय के लोगों को मिल रहा है। वर्ष 2027 में वर्ष 2017 को दोहराएंगे। प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाने का मन बना लिया है। प्रदेश में गुंडागर्दी को वापस नहीं आने देंगे। समाजवादी पार्टी के पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। सपा पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक की बात करने का अधिकार खो चुकी है। वर्ष 2017 में पिछड़ों और दलितों की बदौलत प्रदेश में सपा की सरकार बनी थी। लेकिन पिछड़ों और दलितों के ऊपर सबसे अधिक अत्याचार किए गए।

वार्ड 92 किदवई नगर में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लोकतंत्र सेनानी पूर्व जिलाध्यक्ष रामदेव शुक्ल, राजेंद्र त्रिपाठी, अशोक वर्मा, संतराम, इंद्रपाल भारती को पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद रमेश अवस्थी, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, कैबिनेट मंत्री प्रतिभा शुक्ला, विधायक महेश त्रिवेदी, एमएलसी अरुण पाठक, स्वप्निल वरुण, सत्यदेव पचौरी, सुरेश अवस्थी ,अनूप अवस्थी, रघुनंदन भदौरिया आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने बदमाशों को दौड़ाकर मारी गोली, दो पशु तस्कर घायल; चार गिरफ्तार

भदोही , एजेंसी। भदोही की औराई और गोपीगंज की संयुक्त पुलिस टीम ने शुक्रवार को भोर में उगापुर-सिंहपुर नहर पुलिया मार्ग पर मुठभेड़ में चार अंर्तजनपदीय पशु चोरों को गिरफ्तार कर लिया।

आत्मरक्षा में पुलिस टीम की फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बदमाश ने लग्जरी कार में बकरियां लादे हुए थे। बदमाशों के पास से अवैघ तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। अपराधियों के खिलाफ पुलिस लगातार सख्ती कर रही है।

शुक्रवार को भोर में औराई कोतवाली के उगापुर से सिंहपुर नहर पुलिया मार्ग पर औराई और गोपीगंज पुलिस ने संयुक्त रूप से संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान लग्जरी कार से गुजर रहे कुछ युवक वाहन नहीं रोके और पुलिस पर हमला करने का प्रयास किया। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी हमला किया।

बनारस के हैं तीनों आरोपी

मुठभेड़ में पशु चोर जितेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार निवासी गरथमा सिंधोरा (वाराणसी), महबूब निवासी मंडुवाडीह (वाराणसी), विकास सरोज निवासी महपूरवा चोलापुर (वाराणसी) को गिरफ्तार कर लिया।

बदमाशों के पास से दो अवैध तमंचा मय खोखा कारतूस और दो चार पहिया वाहन सफारी स्टॉर्म जिसमें चोरी की बकरियां लदी बरामद किया। पुलिस फायरिंग में जितेंद्र कुमार के बाएं पैर में घुटने के नीचे और महबूब के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी है।

पुलिस उच्चाधिकारी के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वाड द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया। शातिर चोरों के खिलाफ वाराणसी, प्रयागराज, जौनपुर, चंदौली और भदोही में विभिन्न अपराधिक घटनाओं से संबंधित कुल करीब तीन दर्जन मुकदमें दर्ज है। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार किए गए हैं।

दिन निकलते ही वारदात: मवाना में जंगल में पड़ा मिला युवक का शव, भावनपुर में युवती की हत्या कर शव दबाया

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के गेसुपुर दतावली स्थित नीरज पुत्र राजेंद्र शर्मा के आम के बाग मे लगभग 35 वर्षीय महिला शव जमीन मे दबा मिला। जिसे जंगली कुत्तो नोच रहे थे। सूचना बाग की रखवाली कर रहे मनोज गेसुपुर निवासी ने बाग मालिक को दी। वहीं जानकारी मिलने पर पहुंचे सीओ देहात शिव प्रताप ने मामले की जानकारी करते हुए कार्रवाई शुरु कर दी। अभी शव की पहचान नहीं हो पाई है। मवाना में गांव रसूलपुर गांवड़ी निवासी कंवर पाल का शव ततीना के जंगल में पड़ा मिला। बताया गया कि गांव रसूलपुर गांवड़ी निवासी कंवर पाल ने गांव ततीना के जंगल में खेत ठेके पर लिए हुए हैं। आज उसका शव जंगल में पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि वह गुरुवार शाम खेतों में पानी देने के लिए आया था लेकिन वापस नहीं लौटा। सारी रात उसके शव को तलाश किया गया लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों का यह भी आरोप है कि जहां शव मिला है। वहां रात के समय जब उन्होंने तलाश किया था तो शव नहीं था। परिजन एसपी देहात को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं अभी तक पुलिस को शव नहीं सौपा है।

भाजपा के 46 वे स्थापना दिवस के अवसर पर गांव वार्ड चलो अभियान के तहत जिला शोध प्रमुख ने किया घर -घर जाकर जन सम्पर्क

संवाददाता प्रदीप सक्सेना
इंडिया सावधान न्यूज

बदायूं -बिसौली नगर एवं करनपुर ग्रामीण मंडल के ग्राम करनपुर में भाजपा की शोध प्रमुख प्रवेश सिन्हा ने करनपुर के ग्राम प्रधान के यहां बैठक कर भाजपा के 46 में स्थापना दिवस के अवसर पर गांव वार्ड चलो अभियान के निमित्त प्रवास के दौरान चलो अभियान के तहत लाभार्थियों से जनसंपर्क स्थापित किया ।तथा चौपाल लगाकर उनका सरकार के विकास कार्यों की चर्चा की। मंदिर तथा स्कूल में स्वच्छता अभियान किया। भाजपा के पुराने कार्यकताओं का सम्मान किया। साथ में नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता जी पूर्व नगर अध्यक्ष अनिल रस्तोगी जी बूथ प्रभारी प्रमोद पाराशरी जी बूथ संयोजक संगीता रस्तोगी जी नगर मंत्री अनिता सरदार जी नगर उपाध्यक्ष राहुल सिंह जी बूथ अध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा जी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ में नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता जी एवं प्रदीप सिन्हा के साथ शोध प्रमुख ने घर-घर सम्पर्क कर सरकार की नीति व योजनाओं के बारे में चौपाल लगाकर जानकारी दी। ग्राम प्रधान करनपुर व गांव के प्रेम पाल, पप्पू, रामचंद्र व रामपाल,व अन्य लोग मौजूद रहे।

तेज आंधी के साथ बारिश व ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान

बहराइच , एजेंसी। तराई क्षेत्र में बुधवार की शाम अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में काले बादल छा गए। तेज आंधी के साथ बारिश ने पूरे तराई क्षेत्र को सराबोर कर दिया। बृहस्पतिवार सुबह भी तेज हवा व बारिश का सिलसिला जारी रहा। इससे खेतों में कटी पड़ी किसानों की गेहूं की फसल भीग गई। वहीं, तेज हवा से गेहूं व मक्का खेतों में पसर गया। हवा की वजह से जिले में कई स्थानों पर विद्युत पोल व पेड़ गिरे, इससे 100 से अधिक गांवों की बिजली गुल हो गई। महसी में बिजली गिरने से एक मकान क्षतिग्रस्त हो गया।

तराई में सीजन की पहली धूल भरी आंधी ने दस्तक दी। तेज आंधी के चलते शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक विद्युत पोल व पेड़ गए गए। आंधी के साथ ही बुधवार की रात सीजन की पहली बारिश भी हुई। झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे मुरझा गए और भारी नुकसान हुआ।

बाबागंज क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ ओले भी गिरे। इससे रामनगर, अधीनगांव, थनईगांव, गुलमागांव, पटना, प्रहलाद गांव, भगवानपुर करिंगा, परमपुर, जिगरिया, करीम गांव, चितरहिया, दुविधापुर, सोरहिया, लक्ष्मनपुर सलारपुर, बनकुरी, सुजौली, मकनपुर, मोहनापुर, कलवारी, बसभरिया बिशुनापुर, बाबागंज, आदि क्षेत्रों में फसल को भारी नुकसान हुआ। किसान रामविलास, डब्बू सिंह, अंसार बाबू, अवधेश वर्मा, मोहम्मद अख्तर आदि ने बताया कि लाखों का नुकसान हुआ है। रुपईडीहा क्षेत्र में भी बारिश व हवाओं ने जमकर तबाही मचाई। क्षेत्र में निबिया, मनवरिया, सीतापुरवा, सहजना, लहरपुर, जैतापुर, पंडितपुरवा आदि गांवों में किसानों का गेहूं खेतों में पसर गया। किसान चंद्रशेखर वर्मा ने बताया कि फसल सूखने में 15-20 दिन लगेंगे। तेजवापुर के चंदनापुर गांव निवासी किसान सलीम, गजपतिपुर के अब्बास आदि ने बताया कि खेत में फसल कटी पड़ी थी। भारी नुकसान हुआ है। हुजूरपुर निवासी किसान सुशील कुमार ने बताया कि 80 प्रतिशत किसानों की फसल खेत में है।

पानी की टंकी फटी, विद्युम उपकरण जले : रुपईडीहा में करिंगा गांव निवासी सुरेश कुमार वर्मा के घर की छत पर रखी पानी की टंकी फट गई और दीवार गिर गई। इससे पूरे घर की वायरिंग शॉर्ट हो गई। आग लगने से रजाई, गद्दे, वाई-फाई, टीवी आदि जल गए। वहीं, रुपईडीहा के रामलीला चौराहा निवासी अमरीश के घर का इंवर्टर, तीन पंखे और बैटरी जल गए। कसौंधन मोहल्ला निवासी चंद के तीन टीवी खराब हो गए।

गिरे विद्युत पोल, 100 से अधिक गांवों की आपूर्ति बाधित : तेज आंधी व बारिश की वजह से सुजौली में 13 गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। टेक्नीशियन जितेंद्र कुमार ने बताया कि लखीमपुर के धौरहरा से कैलाशपुरी पॉवर हाउस के बीच लगभग 40 किमी का फासला है। तार पर पेड़ों की डाल गिरी है, उसे ठीक किया जा रहा है। वहीं, बारिश की वजह से रिसिया नगर पंचायत व इसके आसपास के गांवों की बिजली आपूर्ति बुधवार रात 10:30 पर ठप हो गई। इससे 50 हजार की आबादी प्रभावित रही। रुपईडीहा क्षेत्र में बुधवार की शाम चार बजे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। नवाबगंज में भी बुधवार की रात तेज हवा के चलते आपूर्ति बाधित हो गई। चरदा क्षेत्र में भी विद्युत आपूर्ति बाधित रही और लोग बेहाल रहे। बाबागंज कस्बे व उसके आसपास के गांवों की बिजली आपूर्ति भी बुधवार की दोपहर से बाधित है।

4
इंडिया सावधान न्यूज
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संभल/बदायूं/ मुरादाबाद/बरेली
गौतमबुद्धनगर
सोमवार 14 अप्रैल, 2025
www.indiasavdhan.com

परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइया माताओं ने अंबेडकर पार्क में बैठक कर उठाई मानदेय बढ़ाने की मांग

संवाददाता चरन सिंह इंडिया सावधान न्यूज

बदायूं – अंबेडकर जयंती से पूर्व अंबेडकर पार्क बदायूं में रसोईया कर्मियों की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष तुलसी मौर्य ने की। जिला अध्यक्ष ने कहा रसोईया कर्मियों सहित मानदेय कर्मियों का शोषण देश भर में चरम पर है विभिन्न माध्यमों से विभाग व शासन को ज्ञापित करते हुए आए हैं परंतु उनकी समस्याओं का कोई भी समाधान अभी तक नहीं हुआ है जिससे प्रतीत होता है। शासन का विभाग पर कोई अंकुश नहीं है।जिला उपाध्यक्ष शांति श्रीवास्तव ने कहा रसोईया समेत समस्त मानदेय कर्मी एक मंच पर आकर संघर्ष करें। हमको गुलामी से मुक्ति तभी संभव है।जिला सचिव सायशा बेगम ने कहा स्थानीय कार्यालय स्तर पर अनुदान की राशि शासन से आ जाती है परंतु कार्यालय के जिम्मेदार पटल के कर्मचारियों की घोर लापरवाही के कारण होली ईद जैसे बड़े त्योहारों पर भी महज ड्2000 मिलने वाला मानदेय समय पर नहीं मिल पाता है।जिला संयोजक डॉक्टर प्रेमपाल ने कहा गांधी जी व अंबेडकर के रास्ते पर ही चलकर हमें शोषण से मुक्ति मिलेगी सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष हमारा जारी रहेगा। नगर कार्यकारिणी अध्यक्ष संतोष जाटव ने कहा रसोईया कर्मियों का शोषण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन द्वारा जो भी निर्देश दिए जाएंगे उनका अक्षांश पालन किया जाए।इस अवसर पर अंबेडकर के आदर्शों की चर्चा की गई।कार्यक्रम में सुनीता, ईश्वर देवी,आशा मुन्नी देवी, जलधारा,संगीता, प्रेमवती, सुशीला,राज दुलारी, मोर कली, रामा देवी, सावित्री, सुकमा, रेशमा, सोमवती, जगबीर, गंगा देवी, रामवती, पीतम,रामप्यारी, सरोज, भगवान देवी, दुर्गेश, नन्ही, मोहनलाल , संगीता, राजपाल, रजनीश, रेखा, शीला, कांति, भूरी, तुलसी, कन्यावती, सीमा, पिंकी, कुसमा, गंगा देवी, भगवान देवी, सवेर्षा, सुषमा, बिमला, राधा, मोरकली, मुन्नी देवी, राम दुलारी , सरस्वती, विठोलादेवी, मानमती, अनेक श्री, रामवती, सोमवती, शरबती, पिंकी, मधुबाला, समेत दर्जनों रसोइया मौजूद रहीं।

सपा सांसद आदित्य यादव 14 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में लेंगे भाग

संवाददाता चरन सिंह इंडिया सावधान न्यूज

बदायूं- समाजवादी पार्टी के बदायूँ संसदीय क्षेत्र से सांसद आदित्य यादव 14 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। सांसद प्रातः 9.30 बजे नगर के जिला चिकित्सालय के सामने स्थित डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे, प्रातः 10:30 बजे समाजवादी पार्टी कार्यालय गांधी नगर, मे आयोजित डॉङ्ग भीमराव अंबेडकर जी की जयंती में सम्मिलित होंगे, अपराह्न 12 मोहल्ला गौतमपुरी उझानी,अपराह्न एक बजे मोहल्ला नंबर 5 बिल्सी स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे, इसके उपरांत अपराह्न 3:00 विधानसभा क्षेत्र गुन्नौर स्थित कस्बा बबराला मे बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे इसके पश्चात लोकसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न राजनीतिक निजी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

नगर पंचायत रुदायन में चेयरमैन ने किया वार्ष्णेय दर्पण पत्रिका का विमोचन

सम्वाददाता अवधेश शर्मा इंडिया सावधान न्यूज

बदायूँ-नगर पंचायत रुदायन में आज वार्ष्णेय दर्पण पत्रिका का विमोचन चेयरमैन प्रतिनिधि/वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता के द्वारा किया गया उन्होंने कहा संगठन की मजबूती से ही वार्ष्णेय समाज का उत्थान सम्भव है इस अवसर पर अलीगढ़ में होने वाले चुनाव की भी रुपरेखा तय की गयी।
चेयरमैन कैम्प कार्यालय पर आयोजित वार्ष्णेय समाज के कार्यक्रम में संगठन की मजबूती पर बल दिया गया। चेयरमैन प्रतिनिधि वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता ने वार्ष्णेय दर्पण पत्रिका का विमोचन एवं शुभारम्भ करते हुए कहा कि वार्ष्णेय दर्पण पत्रिका वार्ष्णेय समाज के उत्थान के लिये बेहतर माध्यम रहेगी। उन्होंने कहा कि पत्रिका से संगठन वनेगा और संगठन से समाज में उन्नति का मार्ग प्रशस्त्र होगा। कार्यक्रम के दौरान अलीगढ़ में आगामी 27 अप्रैल2025 को होने वाले वार्ष्णेय समाज के चुनाव की रुपरेखा भी तय की गयी तथा समाज के लोगों से चुनाव में अधिकाधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गयी। इस अवसर पर सुभाष चन्द्र गुप्ता (भोलेनाथ), कृष्ण गोपाल गुप्ता (धर्मशास्त्री), शैलेन्द्र वार्ष्णेय, मा0 रामप्रकाश गुप्ता, शिवशंकर दास गुप्ता, महेन्द्रपाल गुप्ता, बबलू गुप्ता, डॉ0 अजीतमोहन गुप्ता, गौरव गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

बहजोई में डिवाइन फेथ फैलोशिप चर्च पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया

संवाददाता अफसर अली इंडिया सावधान न्यूज

बहजोई(संभल)डिवाइन फेथ फैलोशिप चर्च, बहजोई में पवित्र पाम संडे (खजूर रविवार) के पावन पर्व पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रभु यीशु मसीह के प्रेम, नम्रता और शांति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना था। सभा का आरंभ चर्च के प्रबंधक पादरी राहुल उठवाल द्वारा पवित्र बाइबिल के मत्ती 21:1झ11 और जकर्याह 9:9 वचनों के पाठ से हुआ, जिनमें प्रभु यीशु के यरूशलेम में गधे पर सवार होकर किए गए विजय प्रवेश का उल्लेख है। उन्होंने बताया कि यीशु का यह प्रवेश सांसारिक घमंड नहीं बल्कि विनम्रता, सेवा और आत्मिक राज्य की घोषणा था। जकर्याह 9:9 की भविष्यवाणी को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा – ह्लदेखो, तेरा राजा तुझ पर आता है; वह धर्मी और उद्धार देने वाला है, वह नम्र है और गधे पर सवार है।ह्व यह हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व सेवा और दया में निहित होता है। इसके बाद पादरी प्रवीन कुमार ने यशायाह 9:6 का वाचन करते हुए प्रभु यीशु को ह्लशांति का राजकुमारह्व बताया और वर्तमान विश्व में फैली अशांति व संघर्षों की स्थिति में सच्चे शांति-दाता के रूप में प्रभु यीशु की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने देश और विश्व के लिए शांति और एकता की विशेष सामूहिक प्रार्थना कराई। सभा को और भी भावनात्मक बना दिया चर्च की क्वायर द्वारा प्रस्तुत भजन ह्लजीत गएह्व, जिसने प्रभु यीशु की मृत्यु पर विजय और पुनरुत्थान की घोषणा करते हुए सभी उपस्थितजनों को भक्तिमय आनंद से भर दिया। भजन की प्रस्तुति ने यह स्मरण दिलाया कि प्रभु का प्रेम मृत्यु से भी बड़ा है। इस अवसर पर चर्च के बच्चों ने खजूर की डालियाँ लेकर प्रभु के विजय प्रवेश का सुंदर दृश्य प्रस्तुत किया। ह्लहोशाना! होशाना!ह्व की गूंज के साथ बच्चों द्वारा किया गया यह अभिनय सभा का केंद्रबिंदु रहा और सभी को पहले पाम संडे की स्मृति में ले गया। प्रार्थना सभा के समापन में चर्च के पादरी डॉ. राहुल उठवाल ने सभी को स्मरण दिलाया कि पाम संडे केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक निमंत्रण है – प्रभु को अपने जीवन में प्रवेश देने का। उन्होंने कहा कि ह्लहोशानाह्व का अर्थ है – ह्लहे प्रभु, उद्धार कर।ह्व यह पुकार आज भी उतनी ही सजीव है जितनी दो हजार वर्ष पूर्व थी। सभा में उपस्थित सभी जनों ने प्रेमपूर्वक एक-दूसरे को पाम संडे की शुभकामनाएं दीं और यह संकल्प लिया कि वे समाज में प्रभु यीशु के प्रेम, क्षमा, और शांति के सुसमाचार को आगे बढ़ाते रहेंगे। चर्च में विशेष रूपसे खुशी, रोशनी, कोमल, प्रिंस, अंजली, अमायरा, चुनमुन, बेबी मसीह, सेलिन वीना, मीना, पूजा, अंजलि, आशावती, रेखा, नीलम, सामर्थ, शैली और महिमा आदि सम्मिलित रहीं।

बहजोई में हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर बाला जी सेवा समिति के तत्वाधान में शोभायात्रा का हुआ आयोजन

संवाददाता अफसर अली इंडिया सावधान न्यूज

बहजोई(संभल)मण्डी समिति बहजोई से हनुमान जयंती के अवसर पर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा मण्डी समिति बहजोई में हनुमान जी की झांकी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में बहुत ही सुंदर झांकियां रहीं, यह शोभायात्रा मण्डी समिति से, इस्लाम नगर चौराहा, नारायण टोला, आर्य समाज, नया बाजार, ऊपर कोट होते हुए काली मंदिर पर पहुंची जहाँ पर शोभायात्रा का समापन होगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू, मंजू दिलेर, लव मोहन वार्ष्णेय, बसंत शंकर, देवेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी चन्दौसी नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल के नेतृत्व संविधान शिल्पी डॉ भीमराव अंबेडकर के 135 वी जयंती पर नगर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया

संवाददाता अफसर अली इंडिया सावधान न्यूज

चंदौसी (संभल)भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार आज नगर के स्मारकों में स्वच्छता अभियान चलाकर उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को लेकर घर घर जनसंपर्क किया। एवम महापुरुष के विचारों से लोगों से अवगत कराया। प्रातःकाल मे खुर्जा गेट पहुंच कर डॉ अम्बेडकर पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया एवम डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।शाम को माल गोदाम रोड स्थित डॉ अम्बेडकर पार्क में दीप जलाए गए। इस दौरान पूर्व एमएलसी चंद्रपाल सिंह, नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल,डॉ टीएस पाल,अभिनव शर्मा,मनोज दिवाकर,चंद्रसेन दिवाकर,नरेंद्र शर्मा,सभासद तरुण नीरज,अमन कोरी,मोहित दिवाकर,अनुराग गर्ग,देवेंद्र गुप्ता मोनू,शीनू गुप्ता,शीला सागर,मुनीश वार्ष्णेय,ओम शर्मा,विकास मिश्रा,प्रियांशु मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

वजीरगंज में सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने श्री राज राजेश्वरी मंगला माता देवी के मेले फीता काट कर किया उद्घाटन

संवाददाता चरन सिंह इंडिया सावधान न्यूज

वजीरगंज (बदायूं) कस्बे से एक किलो मीटर आंवला रोड पर श्री राज राजेश्वरी मंगला माता का प्रसिद्ध व ऐतिहासिक मंदिर स्थित है।मेले का आयोजन प्रति वर्ष नगर पंचायत द्वारा किया जाता है। इस वर्ष मेले का आयोजन दिनांक 12/04/2025से 07/05/2025 तक होगा।आज मेले का उद्घाटन सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने फीता काट कर किया।नवरात्रि शुरू होते ही ऊंचे टीले वाली माता रानी के दरबार में हजारों श्रद्धालु रोज ही पूजा पाठ कर मनौतिया मांगते हैं।चैत की पूर्णिमा से इस भव्य दरबार में कस्बा सहित दूर दराज से आकर श्रद्धालु परिवार सहित माता रानी की जात करते हैं तथा मन्दिर परिसर एवं रैन बसेरे में बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं मन्दिर पर श्रद्धालु अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराते हैं मान्यता है कि यहां मुंडन संस्कार कराए गए बच्चे बुद्धिमान एवं दीघार्यु को प्राप्त करते हैं यहां मां से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है मनौतियां पूर्ण होने पर भक्तगण रोज ही मेले में भंडारों का आयोजन भी करते हैं।श्रद्धालु माता रानी की पूजा अर्चना करने के बाद सड़क किनारे बरी वाले महाराज की भी पूजा अर्चना कर मनौतिया मांगते हैं।इस शक्तिपीठ स्थल का जिक्र इतिहास में भी है जो अपनी ऐतिहासिकता के लिए प्रसिद्ध है इस ऊंचे टीले का पुरातत्व विभाग की टीम ने भी सर्वेक्षण किया गया जिसमें डॉ अनूप रंजन, डॉ मनोज शर्मा प्राचीन इतिहासकार और डॉक्टर के सी गोस्वामी पुरातत्व वेत्ताओं के साथ डॉक्टर लाखन सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख की टीम ने मंदिर सहित पूरे टीले का सर्वेक्षण किया सर्वेक्षण के बाद पाया गया की यह टीला रामायण कालीन एवं महाभारत कालीन समय का है वही मध्यकाल में इस टीले पर आल्हा ऊदल और बिशनगढ़ जो कि अब बिसौली के नाम से जाना जाता है ।लोगों का मानना है कि यहां के राजा गजराजा और आल्हा ऊदल के मध्य भयंकर युद्ध हुआ था जिसमें गज राजा को पराजय का सामना करना पड़ा था आज भी इस टीले पर बरसात का पानी लाल रंग में बहता हुआ नजर आता है जो इसकी ऐतिहासिकता और प्रसिद्धि का उदाहरण है माता रानी का यह दरबार अपने भक्तों पर हमेशा दया और कृपा की बरसात करता रहता है जो भी भक्त यहां आकर सच्चे हृदय से माता रानी की पूजा अर्चना करने के बाद मनौतिया मांगता है उसकी मनौतिया पूर्ण होती हैं ।दूर-दूर से लोग आकर माता रानी के दरबार में विशाल भंडारों का भी आयोजन करते हैं और माता रानी के दरबार में घंटे एवं अनु वस्तुओं का भी चढ़ावा करते इस ऊंचे टीले पर जहां चारों ओर हरियाली हरियाली है वही मंदिर के समीप सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता के प्रयास से रेन बसेरा का ही निर्माण कराया गया इसमें श्रद्धालु रोक कर आराम भी फरमाते हैं मेले में दूर-दूर से दुकानदार आकर अपनी दुकान लगाते हैं जिसमें बांस एवं लकड़ी बाजार पत्थर बाजार मिट्टी से बने हुए सुंदर-सुंदर बर्तन दरी तथा कालीन बाजार मीना बाजार वही बच्चों से लेकर युवाओं के मनोरंजन के लिए चरक झूले ब्रेक डांस झूले नाव झूले काला जादू सर्कस मौत का कुआं एवं सांस्कृतिक प्रोग्राम से मिला दिन रात गुलजार रहता है वहीं खाने पीने के लिए मेले में चार्ट पकौड़ी टिक्की गोलगप्पे चाऊमीन डौसा बर्गर चिला आइसक्रीम जूस कोल्ड ड्रिंक जलजीरा की भी धूम रहती है ।सुरक्षा की दृष्टि से थाना पुलिस की कोतवाली के साथ-साथ पीएसी के जवान भी दिन रात मेले की निगरानी करते हुए नजर आते हैं वहीं दमकल विभाग की भी टीम अपनी गाड़ी के साथ मेले में मुस्तादी के साथ रहते हैं मेरा परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी एक कैंप लगाया जाता है जिस किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी हो तो उसे फौरन उपचार दिया जा सके।इस मौके पर अध्यक्ष पुत्र जहीर आलम अधिशासी अधिकारी अखिलेश दीक्षित ,सुमित वार्ष्णेय मेलाध्यक्ष, लिपिक शहंशाह अब्बास ,टीनू प्रताप सिंह सभासद रंजीत सिंह सभासद ,देवेंद्र सिंह उर्फ पप्पू सभापति,राजेश कुमार सभासद ओंकार सिंह सभासद बिट्टन सिंह पहलवान , पवन खरे, सभी सभासद और नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ-साथ सैकड़ो लोग उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे।

वजीरगंज में निकाली गई हनुमान जी की विशाल शोभायात्रा

संवाददाता चरन सिंह इंडिया सावधान न्यूज

वजीरगंज (बदायूं)श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा शनिवार को हनुमान जी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। सुन्दर सुसज्जित झांकियों से सजी शोभायात्रा का शुभारंभ सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने किया।श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से शुरू हुई चार दर्जन से अधिक झांकियों से सुसज्जित शोभायात्रा में जहां सबसे आगे भगवान गणेश जी की झांकी शोभायात्रा का मार्ग दर्शन करते हुए चल रही थी वहीं काली अखाड़े के बाद राधा कृष्ण, शिव पार्वती, की मुद्रा में नृत्य करते कलाकार , डांडिया तथा चट्टी चट्टा क्लब के कलाकारों का नृत्य प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहे, मध्य भाग में विभिन्न देवी देवताओं की झांकियां शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रही थी, सबसे अंत मे वाला जी के स्वरूप में हनुमान जी की झंकी शोभायात्रा में अपनी अलग ही छटा विखेर रही थी। शोभायात्रा हाईवे से होती हुई , छोटी वजरिया,मुख्य बाजार, खिन्नी मोहल्ला, होली चौक, इमली मोहल्ला में घूमती हुई पुनः लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचकर विसर्जित हुई। नगर भृमण के दौरान लोगों ने जगह जगह शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा के हाईवे से गुजरने के दौरान काफी देर तक रोड पर जाम जैसी स्थिति रही दोनों ओर के वाहनों को पहले ही रोक लिया गया जिन्हें शोभायात्रा गुजरने के बाद निकाला गया। सुरक्षा के लिए पुलिस की व्यापक व्यबस्था रही।

भाजपा कार्यकताओं ने घर घर जाकर पार्टी के पुराने कार्यकताओं को किया सम्मानित

संवाददाता अफसर अली इंडिया सावधान न्यूज

संभल। उत्तर प्रदेश सरकार के सफलतापूर्वक 8 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश एवं केंद्र नेतृत्व के आदेशानुसार विधानसभा संभल के हयातनगर मंडल के शक्ति केन्द्र चौधरी सराय के वार्ड नंबर 8 मे मंडल अध्यक्ष गणेश शर्मा वा सय्यद शान अली निवर्तमान जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सम्भल के नेतृत्व में गांव चलो अभियान के तहत घर-घर संपर्क कर भारतीय जनता पार्टी के पुराने कार्यकर्ता को भी सम्मानित किया। एवं घर घर संपर्क कर केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया और लाभार्थियों से सम्पर्क किया, इस अवसर पर ,डॉ सलमान खान जिला महामंत्री भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सम्भल वा शक्ति केन्द्र संयोजक भाजपा, गुलजार अंसारी निवर्तमान नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सम्भल, जितेन्द्र सेनी मंडल महामंत्री, वासीफ पाशा बूथ अध्यक्ष, इकराम पाशी, रूबी खान, इमशाद खान, वाजिद भाई, रानी परवीन, परवीन जहाँ, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षत्रिय महासभा के सम्मेलन में संगठन का हुआ विस्तार, पदाधिकारी हुए सम्मानित

संवाददाता चरन सिंह इंडिया सावधान न्यूज

बदायू - क्षत्रिय महासभा बिसौली कार्यकारणी का सम्मेलन तथा संगठन विस्तार सम्मान समारोह खुसरो डिग्री कालेज सरौरी बगरैन मे मंडल संगठन मंत्री श्री विजयपाल सिह भदौरिया की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुयी । सम्मेलन में मुख्य अतिथि शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ठा कुलदीप सिह ने कहा कि क्षत्रिय महासभा का मुख्य उदेश्य राजपूत क्षत्रियो लोगो को एकजुट कर समाज को मजबूती प्रदान करना है , क्षत्रिय समाज की युवा पीढी मे बदलाब की तस्वीर दिख रही है । हमे दृढ इच्छा शक्ति से समाज के लिए काम करना होगा , क्षत्रिय महासभा के मनोनीत पदाधिकारियो में जोश व जज्बा कम न होने देने का आहवान किया।वरिष्ट अतिथि मनौना धाम व्यवस्थापक आर्येन्द्र सिह चौहान ने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारी समाज मे विछुडे लोगो को संगठन से जोडकर आत्मसम्मान के लिए एकजूट करे जिससे समाज का सम्मान बढेगा ,मै हमेशा अपने समाज के उत्थान के लिए तत्पर है। मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष एड हरि प्रताप सिंह राठौड़ ने सम्मेलन मे क्षत्रिय समाज की गिरती आर्थिक तथा शैक्षिक समस्या पर जोर दिया कहा कि हमारा समाज आर्थिक तथा शैक्षिक स्तर पर गिरता जा रहा है ,जो समाज के लिए वडी चिंता है तथा क्षत्रियो के प्रति राजनीतिक दलो द्वारा अपेक्षा पर रोस जताया गया , एवम क्षत्रियो के इतिहास को विकृत किए जाने वालो पर कार्यवाही कराने की रणनीति बनायी।कार्यक्रम को ठा सुनील सिंह, रामप्रताप सिह पूर्व ए डी एम रामप्रताप सिह, महेश कठेरिया एड विपिन सिह ,विजय रतन वीर सिंह ने सम्बोधित किया।कार्यक्रम अध्यक्ष श्री विजयपाल सिह भदौरिया ने सभी अतिथियो का तथा क्षत्रिय बन्धुओ का आभार व्यक्त कर मनोनीत पदाधिकारियो को शुभकामनाए दी ।

ठा विपिन सिंह राठौर को तहसील अध्यक्ष तथा ठा सुनील सिह परसिया को प्रभारी बनाया गया वही युवा तहसील अध्यक्ष सुमित कुमार राघव को मनोनीत किया गया । कार्यक्रम संयोजक ठा वेदपाल सिह विपिन सिंह राठौर , ठा सुनील सिह धीरेश सिह विजय कुमार सिह रितेश चौहान प्रधान ने सभी अतिथियो का स्वागत सम्मान किया । कार्यक्रम का संचालन क्षत्रिय महासभा जिला उपाध्यक्ष ठा वेदपाल सिंह ने किया क्षत्रिय महासभा विसौली सम्मेलन के दौरान मनोनीत पदाधिकारी जुगेन्द्र सिंह ओमकार सिंह रवि लाल सिंह वटटू सिंह रवेन्द्र सिंह अमित सिह अजयपाल सिंह कैलाश गौर दीपक राघव पुनित ठाकुर मुकेश सिह सप्पू सिह कुलदीप सिंह वीरपाल सिंह धीरेश सिह राजीव सिह विजयकुमार कमल सिह योगेश राघव नीतिन सिह सुमित राघव विजय सिह मोहित कुमार धीरपाल दीपक प्रदुमन मोहित सूर्य प्रताप राहूल विवेक रंजीत निशात अमन सोनू अभिषेक संजय प्रताप सतीश भदौरिया मुकेश सिंह आदि क्षत्रिय बन्धु मैजूद रहे ।

14-04-2025 ISN:Layout 1 4/14/2025 8:00 AM Page 5

महान देशभक्त और समाज के प्रति समर्पित महापुरुष थे डा. मंगल सेन : गौरव गौतम

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल मंत्री गौरव गौतम ने डा. मंगल सेन को महान देशभक्त और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित महापुरुष बताया। उन्होंने कहा कि डा. मंगल सेन भारतीय संस्कृति के पुजारी और प्रचारक थे। डा. मंगल सेन जनता के दिलों में बसते थे। खेल मंत्री गौरव गौतम रविवार को न्यू कॉलोनी स्थित पंजाबी धर्मशाला में पंजाबी समाज की ओर से बैसाखी के पावन पर्व पर डा. मंगल सेन भवन के निर्माण कार्य की आधारशिला रखने उपरांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को बैसाखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।खेल मंत्री गौरव गौतम ने डा. मंगल सेन को महापुरुष बताते हुए कहा कि डा. मंगल सेन जीवन के आखिरी सांस तक जन कल्याण तथा सामाजिक उत्थान कार्यों के लिए समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि पंजाबी धर्मशाला में डा. मंगल सेन के नाम पर बनने वाला यह यह भवन समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक उत्थान का प्रतीक बनेगा तथा सामाजिक सहयोग और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने हर क्षेत्र में प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया है। आज जहां समूचा प्रदेश विकास की पटरी पर दौड़ रहा है, वहीं पिछले दस साल में पलवल जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी गई और अगले पांच साल में विकास की गति को और रफ्तार दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लोगों को सुविधाएं देने के उद्देश्य से हर क्षेत्र में विकास कार्य करवा रही है। जिला पलवल में भी विकास का पहिया अब और तेजी से घूमेगा। इस अवसर पर पलवल पंजाबी सभा के प्रधान देवी दयाल मक्कड़, उप प्रधान कृष्ण छावडा, सचिव बंशीधर मखीजा, कैशियर पंकज विरमानी, जिला अध्यक्ष पलवल विपिन बैसला, एलडी वर्मा, प्रदीप सरदाना, महेंद्र कालड़ा, ज्ञानचंद कालड़ा, पंजाबी सभा के सचिव राजकुमार भाटिया, गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सुभाष गांधी, पवन भूटानी, अशोक सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऑनलाइन ऑर्डर कर धोखाधड़ी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। ऑनलाइन ऑर्डर कर धोखाधड़ी करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि अभिषेक निवासी महरौली नई दिल्ली ने थाना पल्ला में दी अपनी शिकायत बताया कि वह प्राईवेट कम्पनी में काम करता है, उनकी कम्पनी ऑनलाईन खरीदे सामान को ग्राहकों तक पहुचाने का काम करती है। 10 अप्रैल को उनकी कम्पनी को दो प्रोसेसर डिलिवरी का मैसेज आया, जिसके बाद जब डिलिवरी बॉय सामान देने गया तो ग्राहक ने पल्ला पुल के पास बुलाया, पल्ला पुल पहुंचने के बाद डिलीवरी बॉय ने ग्राहक को सामान दिया, ग्राहक ने सामान को खोलने का बहाना कर प्रोसेसर को बाक्स से निकाला और डिलिवरी बॉय को चकमा देकर वहां से फरार हो गया। जिसकी शिकायत पर संबंधित धाराओ मे थाना पल्ला में मामला दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने आरोपी मोनू व रोहित वासी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी चचेरे भाई है। आरोपी मोनू जिम चलाता है वहीं रोहित की डेयरी है। दोनों गाजियाबाद के रहने वाले है और वही से किसी अंजान पता पर सामान ऑर्डर करते और जिस दिन सामान डिलिवर होता उस दिन वहां जाकर डिलिवरी बॉय के साथ हेराफेरी करके वहां से फरार हो जाते थे। पूछताछ के बाद आरोपियों से दो प्रोसेसर और सामान ऑर्डर के लिए प्रयोग किया गया मोबाईल फोन बरामद किया है। दोनो आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पलवल में दुष्कर्म के आरोपी ने किया पीड़िता के बच्चे का अपहरण,गिरफ्तार

पलवल। पलवल पुलिस ने महिला पर दुष्कर्म का केस वापस लेने के लिए उसके बेटे का अपहरण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करके बच्चे को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। हथीन थाना प्रभारी मनोज कुमार ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि बीती शाम वह अपने घर पर बच्चों के साथ मौजूद थी। इसी दौरान आरोपी साहिल छत के रास्ते उनके घर में आया। साहिल के खिलाफ उसने महिला थाना पलवल में रेप का केस दर्ज कराया हुआ है, जिसमें उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी ने आते ही उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया और कहा कि केस को वापस लेती है या नहीं। पीड़िता ने जब केस को वापस लेने से मना किया तो आरोपी चाकू के बल पर उसकी बेटी की गोद से उसके तीन माह के बेटे को अपहरण कर लेकर भाग गया। जिसकी शिकायत महिला ने तुरंत हथीन थाना पुलिस को दी।हथीन शहर चौकी प्रभारी हरिओम व एबीटी हथीन प्रभारी कर्मवीर सिंह की टीम आरोपी की तलाश में जुट गई। इसी दौरान पुलिस टीमों ने आरोपी को मलोखड़ा गांव में स्थित प्रेम ईंट भट्ठा के पीछे खेतों पर बने ट्यूबवैल (कोठडे) से आरोपी साहिल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उससे पूछताछ कर आरोपी की निशानदेही पर उक्त चाकू को भी बरामद कर लिया। आरोपी के कब्जे से बरामद तीन वर्षीय बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के हवाले कर दिया।

जज से नौ हजार रुपए ठगने वाले दो युवक गिरफ्तार

पलवल। पलवल में एक अयोध्या में होटल बुकिंग के नाम पर एक जज के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। न्यायधीश प्रशांत राणा ने एनसीआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने 18 फरवरी को अयोध्या के लिए बिरला धर्मशाला में चार कमरे बुक करने की कोशिश की। गूगल पर मिली साइट पर प्रति कमरा 2250 रुपए का रेट दिखाया गया था। साइट पर दिए गए नंबर पर कॉल करने पर एक व्यक्ति ने खुद को बिड़ला धर्मशाला का मैनेजर रमेश शर्मा बताया। उसने 22-23 फरवरी के लिए कमरे बुक करने की बात कही। विश्वास जीतने के लिए वॉट्सऐप पर अपना आईडी कार्ड भी भेजा। आरोपी ने वॉट्सऐप पर क्यूआर कोड भेजकर 9 हजार रुपए का भुगतान करवाया। बुकिंग की पुष्टि नहीं मिलने पर न्यायधीश ने फिर संपर्क किया। इस पर ठग ने तकनीकी खराबी का बहाना बनाते हुए 9050 रुपए और मांग लिए। साथ ही पहले भुगतान को वापस करने का झांसा दिया।जब उन्हें लगा कि कोई गडबड़ है तो उन्होंने तुरंत पहले के भुगतान की पुष्टि भेजने को कहा, इस पर आरोपी ने फोन काट दिया और बाद में मोबाइल बंद कर लिया। जिसके बाद न्यायधीश ने 1930 ऑनलाइन शिकायत की। मामले की जांच टीम ने साइबर तकनीकी एवं बैंक रिकॉर्ड के आधार पर 22 फरवरी को जिला मथूरा (उत्तर प्रदेश) के बिसंबरा निवासी इरफान को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद कर लिया। साइबर क्राइम टीम ने इस मामले में शामिल हाथरस (उत्तर प्रदेश) निवासी शमीम खान व अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) निवासी शिवा शर्मा को गिरफ्तार किया है।

ग्लोबल वार्मिंग की रोकथम व जागरूकता के लिए रैली का आयोजन

पंचकूला, सेक्टर-1 गवर्मेंट पीजी कॉलेज में भूगोल विभाग तथा भू-विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में 卐पृथ्वी संरक्षण 卐के लिए जागरूकता बढाने के लिए पंचकूला के गाँव नाडा में एक रैली का आयोजन किया । साथ ही वृक्षारोपण किया गया। इस में कॉलेज के 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया । गाँव के स्कूल तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानो पर वृक्षारोपण किया गया। विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में

बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलकर समाज हित में जुटी सरकार : कृष्णपाल

फरीदाबाद।ब्यूरो

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि आज हिंदुस्तान में जिस संविधान के तहत चुनाव होते हैं सरकारें बनती हैं कार्यपालिका, न्यायपालिका जो भी कार्य करती है उस सभी संविधान के निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर हैं। भारत सरकार के केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। सर्वप्रथम हार्डवेयर चौक स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई कर उन पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बताया कि अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या यानी आज 13 अप्रैल को प्रदेश के सभी पार्कों और स्मारकों में स्थापित महापुरुषों व राष्ट्र नायकों की प्रतिमाओं की विशेष साफ-सफाई कराई जाएगी और पूरे देश में रात्रि के समय दीपोत्सव का आयोजन होगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मनाया जा रहा एक ऐतिहासिक प्रयास है। यह पहल बाबासाहेब के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने का भी एक प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर अपने पूरे जीवन में समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के सम्मान और अधिकारों के लिए लड़ते रहे। सबके साथ समान व्यवहार, समान न्याय व सबके पास समान अधिकार हो बाबासाहेब पहले दिन से ही इसके लिए संघर्ष करते रहे। बाबा साहेब किसी एक समाज के नहीं थे वह तो पूरे देश की अमानत है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव, जात- पात के संविधान का निर्माण किया। आज जो हम सबको समानता का अधिकार है वह बाबा साहेब की ही देन है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का जो संदेश दिया, वह आज भी हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की मूल आधारशिला है। ऐसे महान व्यक्तित्व को स्मरण करना केवल एक परंपरा निर्वहन नहीं, बल्कि हमारे नैतिक दायित्वों का निर्वाह है। इस अवसर पर मेयर प्रवीण जोशी, भाजपा जिला अध्यक्ष फरीदाबाद पंकज पूजन रामपाल और बल्लभगढ़ से भाजपा जिला अध्यक्ष सोहनपाल छोकर, पार्षद सुमन बाला, पार्षद हरी कृष्ण गिरोटी, पार्षद हरेंद्र भड़ाना, राजकमार वोहरा, संदीप जोशी, अमित आहूजा सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित रहे। डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत मोटूका, ब्लॉक तिगांव, ग्राम पंचायत दयालपुर ब्लॉक बल्लभगढ़, ग्राम सचिवालय, ग्राम पंचायत सीकरी ब्लॉक बल्लभगढ़, तहसील परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण उपेन्द्र सिंह, सरपंच मोहन बंसल ग्राम सचिव अख्तर हुसैन, देवेन्द्र सिंह, राजेश कौशिक, प्रताप सिंह, लोकेश, रिंकू, आकाश एवं ग्राम पंचायत पंच एवं ग्रामवासियों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में संभव हो पाए विकास कार्य- कृष्णपाल गुर्जर

भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने होडल में आयोजित कार्यक्रम में रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल हिसार में नए हवाई अड्डे और यमुनानगर में 800 मेगावाट पावर प्लांट का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने इन कार्यक्रम में पधारने के लिए सभी लोगों को आमंत्रित किया।केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने होडल के नागरिकों को बैसाखी के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पिछले लगभग 10 सालों में केंद्र व राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में जो अभूतपूर्व विकास कार्य करवाए गए हैं वे सबके सामने हैं।

इन विकास कार्यों का प्रमाण जगह दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी विकास कार्य केन्द्र और राज्य सरकार की कड़ी मेहनत और लग्न का नतीजा हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में संभव हो पाए हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जब से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई है, तब से प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं में सुधार हुआ है। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया की भविष्य में आम जनता को कोई काम बताने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। सरकार सुनिश्चित करेंगी कि सभी आवश्यक विकास कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विकास का पहिया और तेज गति से घूमेगा जो शहर के साथ-साथ गांव के विकास में अहम योगदान देंगे।इस अवसर पर होडल के विधायक हरेंद्र सिंह, नगर परिषद होडल की चेयरपर्सन इंद्रेश, पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, जवाहर सिंह सोरोत, शिशपाल कड्डन, उपायुक्त डॉ हरीश कुमार वशिष्ठ, एसडीएम बलिना सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता व लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खटीमा में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

35 लाख की हेरोइन के साथ 01 तस्कर गिरफ्तार

इंडिया सावधान न्यूज

खटीमा। उत्तराखंड की एसटीएफ को नशे के खिलाफ अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ की कुमाऊं यूनिट रुद्रपुर की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने खटीमा पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए थाना खटीमा क्षेत्र के पहनिया चौराहे से एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक के पास से 118 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के निर्देश पर की गई। जिन्होंने पूरे प्रदेश में ड्रग्स के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के आदेश दिए हैं। आदेश का पालन करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोर सिंह, सीओ आरबी चमोला और प्रभारी निरीक्षक पावन स्वरुप के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। एसटीएफ और खटीमा पुलिस की संयुक्त टीम ने पहनिया चौराहे पर संदिग्ध हालत में एक युवक को मोटरसाइकिल के साथ रोका और तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह यह हेरोइन ननकमत्ता से लेकर आया था और टनकपुर व बनबसा क्षेत्रों में इसे छोटी-छोटी पुड़ियों में बेचने की योजना थी। पूछताछ के दौरान कुछ अन्य नशा तस्करों के नाम भी सामने आए हैं, जिनके विरुद्ध जल्द कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की पहचान सोनू राणा (24 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश निवासी गुरुखेड़ा झनकट थाना खटीमा के रूप में हुई है। उसके पास से 118 ग्राम हेरोइन और उऊ110 मोटरसा-इकिल जब्त की गई है। एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे नशे से दूर रहें और किसी भी लालच में आकर ऐसे अपराधों में शामिल न हों। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि यदि कहीं भी नशा तस्करी अथवा उससे संबंधित कोई गतिविधि दिखे, तो तुरंत एसटीएफ या नजदीकी पुलिस थाने को सूचित करें।

बढ़ती मंहगाई के विरोध में काशीपुर की सड़कों पर उतरे कांग्रेसी, फूंका सरकार का पुतला

इंडिया सावधान न्यूज

काशीपुर। रसोई गैस, डीजल व पेट्रोल के दामों में बढ़ोत्तरी तथा लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध में महानगर कांग्रेस कमेटी के बैनर तले कांग्रेसियों ने काशीपुर के आ-रओबी के नीचे केन्द्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर स-रकार का पुतला दहन किया और महंगाई को लेकर केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत तीन साल के निचले स्तर पर है और सरकार गैस के दाम बढ़ा रही है। पहले से मंहगाई से परेशान आम लोगों पर और मार पड़ी है। गरीब, मध्यम वर्ग इस सरकार को अपना वोट देने की कीमत अदा कर रहा है। यह सरकार अपने पूंजीपति मित्रों के हित में गरीबों का गला घोंट रही है। डूबती अर्थव्यवस्था के बीच कॉर्पोरेट मित्रों को बचाने के लिये इस स-रकार का एक मात्र शिकार देश का आम नागरिक है। कांग्रेस सरकार के दौर में भाजपा के जो लोग महंगाई का रोना रोते थे आज वो आंख बंद करके सो रहे हैं। महंगाई से जनता पहले ही त्रस्त थी अब पिछले दिनों मोदी के मित्र कहे जाने वाले ट्रंप ने टैरिफ थोपकर भारत को आर्थिक चोट पहुंचाने का काम किया है।

निकट भविष्य में आर्थिक मंदी के संकेत मिलने लगे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई बेलगाम हो चुकी है। स्कूलों में इसका असर साफ देखा जा सकता है। छोटी क्लास के छात्रों का एक बैग 8 से 10 हजार रुपए में तैयार हो रहा है। भाजपा सरकार में मध्यम वर्ग के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पूर्व अध्यक्ष संदीप सहगल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से गरीबों के हित में आगे आकर अन्यायपूर्ण नीतियों का विरोध करती रही है और आज भी सरकार के इस जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क पर है। इस पुतला दहन कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री इंदु मान, रोशनी बेगम, रवि ढींगरा, अब्दुल कादिर, अफसर अली, महेंद्र बेदी, मंसूर अली मंसूरी, मंसूर अली, अजीम बेग, राशिद फारुकी, हनीफ गुड्डू , अनिल शर्मा, दीपक गुप्ता और पार्षद नौशाद हुसैन समेत कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तराखंड बोर्ड का रिजल्ट 19 अप्रैल को होगा घोषित, इस बार की गई ये नई पहल

इंडिया सावधान न्यूज

रामनगर। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडि-एट बोर्ड परीक्षा 2025 का रिजल्ट 19 अप्रैल को घोषित किया जाएगा। यह जानकारी परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने देते हुए बताया कि इस साल परीक्षा परिणाम की घोषणा को लेकर एक नई पहल की गई है। अब छात्र अपने परीक्षा परिणाम उत्तराखंड बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ पहली बार अपने-अपने स्कूल के पोर्टल पर भी देख सकेंगे। शनिवार को परिषद कार्यालय में आयोजित उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के सभापति की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हाईस्कूल (10वीं) एवं इण्टरमीडिएट (12वीं) परीक्षा वर्ष 2025 के साथ-साथ परीक्षाफल सुधार परीक्षा (द्वितीय) वर्ष 2024

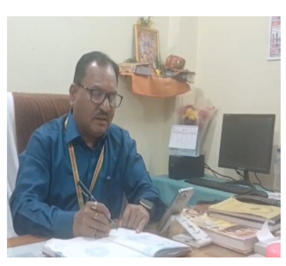

के नतीजे भी 19 अप्रैल को घोषित किए जायेंगे। सचिव ने बताया कि इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी से 11 मार्च के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुईं है। पूरे प्रदेश में 1,245 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें से 165 को संवेदनशील और 5 को अति संवेदनशील घोषित किया गया था। सुरक्षा के विशेष प्रबंधों के बीच परीक्षाएं संपन्न होने के बाद बोर्ड ने उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वर्तमान में परीक्षाफल तैयार करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस बार कुल 2,23,403 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में भाग लिया, जिसमें से 1,13,690 छात्र-छात्राएं कक्षा 10वीं और 1,09,713 कक्षा 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए। सचिव ने बताया कि परीक्षार्थी 19 अप्रैल को उत्तराखंड बोर्ड की आधिकारिक व े ब ा स ा इ ट www.ubse.uk.gov.in पर अपना रिजल्ट देख सकेंगे। इस बार एक अनोखी व्यवस्था की गई है, राज्य में पहली बार हर स्कूल को अपना एक विशेष पोर्टल प्रदान किया गया है। जिसके माध्यम से उस स्कूल के सभी छात्र अपना परीक्षा परिणाम सीधे स्कूल से ही देख सकेंगे। इस कदम से न केवल रिजल्ट देखने में सुविधा बढ़ेगी, बल्कि डेटा संग्रह और विश्लेषण में भी मदद मिलेगी। बोर्ड सचिव के अनुसार स्कूलों को पहले से लॉगिन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं।

अवैध मदरसों पर सरकार की बड़ी कार्रवाई, हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में चला अभियान

इंडिया सावधान न्यूज

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश में अवैध मदरसों के खिलाफ जारी मुहिम के तहत हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में रविवार सुबह से अवैध रूप से संचालित मदरसों पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन मदरसों के खिलाफ यह का-र्रवाई की जा रही है, उनमें से कई मदरसों के पास कोई मान्यता नहीं थी और कुछ मदरसों के खिलाफ बच्चों के बैठने की समुचित व्यवस्था न होना, शौचालय और स्वच्छता की कमी, सुरक्षा उपायों के तहत सीसीटीवी कैमरे न होना आदि की शिकायतें मिली थीं। जबकि कई मदरसे मस्जिदों के भीतर ही संचालित हो रहे थे। वहीं तीन मदरसों को नियमों के प्रतिकूल पाए जाने पर सील कर दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। बता दें कि धामी सरकार अब तक प्रदेशभर में 140 से ज्यादा अवैध मदरसों पर कार्रवाई कर चुकी है। साथ ही 560 से अधिक ऐसी मजारों को भी हटाया गया है जो सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई थीं। वहीं धामी स-रकार की यह सख्ती साफ संकेत देती है कि राज्य में किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगाव इस कार्रवाई में सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई, एसडीएम परितोष वर्मा, एसडीएम राहुल शाह, एसडीएम रेखा कोहली, नगर आयुक्त ऋचा सिंह, थाना प्रभारी नीरज भाकुनी, तहसीलदार सचिन कुमार, मनीषा बिष्ट समेत भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

उत्तराखंड में सरकार की नीतियों से बिजली, पानी और पढ़ाई मंहगी तथा शराब सस्ती : यशपाल आर्य, नेता प्रतिपक्ष

इंडिया सावधान न्यूज

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार के अजीबोगरीब फैसलों से राज्य में आम आदमी की प्राथमिक जरूरत बिजली, पानी और पढ़ाई महंगी होती जा रही है। जबकि शराब सस्ती हो रही है। उन्होंने कहा कि आज फिर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तराखंड उर्जा निगम के बिजली की दरों में 5.62 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी के प्रस्ताव को स्वीकृत कर आम उपभोक्ताओं को महंगाई का करंट दिया है। इससे प्रदेश के 27 लाख उपभोक्ता प्रभावित होंगे। एक तरफ ऊर्जा प्रदेश उत्तराखंड में बिजली के दाम भी बढ़ गए हैं और कटौती भी बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों समेत छोटे शहरों में प्रतिदिन 4 से 8 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है।

नेता प्रतिपक्ष आर्य ने कहा कि अघोषित बिजली कटौती से जनता त्राहिमाम कर रही है, 24 घण्टे लो वोल्टिज और बार बार ट्रिपिंग की समस्या से जनता बेहाल है। उत्त-राखंड बिजली उत्पादन कर रहा है, पर इसका लाभ दूसरे प्रदेश के लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले अप्रैल से लेकर हाल की

बृद्धि तक एक साल के भीतर दूसरी बार बिजली की कीमतें बढ़ाकर स-रकार ने ये सिद्ध कर दिया है कि वह जनता को लूटने का कोई अवसर नहीं गंवायेगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पिछले एक वर्ष के अन्तराल में आम जरूरत की चीजों के दामों कई गुना बढ़ गए हैं। आम जरूरत की चीजों के दामों को नियंत्रित रखना केन्द्र व राज्य स-रकार के बस में नहीं रह गया है। राष्ट्रीय स्तर पर रसोई गैस, पेट्रोलियम पदार्थ तथा खाद्य पदार्थों के लगातार बढ़ रहे दामों के बाद राज्य सरकार द्वारा बिजली की दरों में भारी वृद्धि कर जनता को मंहगाई के दोहरे बोझ से लादने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ये उत्तराखंड का दुर्भाग्य ही है कि यहां के जिन निवासियों ने बिजली परियोजनाओं के निर्माण के लिए गांव-शहरों और संस्कृति का अस्तित्व तक गवांया, अब उन्हें ही महंगी बिजली खरीदने को मजबूर किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण आन्दोलन के दौरान यंहा की मातृ शक्ति ने पुरजोर तरीके से शराब का विरोध किया था। पूर्व में राज्य के पर्वतीय क्षेत्र में ह्लनशा नही रोजगार दोह्व जैसे आंदोलन चले। उस राज्य में सरकार की प्राथमिकता शिक्षा न होकर शराब होना एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। नेता प्रतिपक्ष आर्य ने कहा कि उत्त-राखंड सरकार द्वारा लगातार बढ़ाई जा रही बिजली दरों में वृद्धि का फैसला आम नागरिक की जेब पर सीधा प्रहार है। यह वृद्धि विकास नहीं, शोषण का प्रतीक है।

14-04-2025 ISN:Layout 1 4/14/2025 8:00 AM Page 6

संपादकीय

ट्रंप के पीछे हटने का अर्थ

अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ज्यादातर देशों पर लगाए गए टैरिफ को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। यह फैसला उनके स्वभाव के अनुरूप प्रतीत नहीं होता। हालांकि कदम उन्होंने उठा लिया है जिसका वैश्विक बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उनके फैसले से वैश्विक बाजार में जो हलचल और अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ था, उसमें थोड़ा ठहराव आ गया है। ट्रंप के फैसले को लेकर स्वयं उनके देश अमेरिका और दुनिया के अन्य देशों में प्रतिक्रिया हो रही थीं। उन्होंने इसका संज्ञान लिया और अपने फैसले को 90 दिनों तक स्थगित कर दिया। हालांकि उनकी इस फैसले से चीन अपवाद रहा है। शायद ट्रंप को यह आभास हो गया है कि व्यापार युद्धके मसले पर पूरी दुनिया के विरुद्ध मोर्चा खोलने की बजाय अपने प्रमुख व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी चीन को निशाना बनाया जाए। यही वजह है कि ट्रंप ने चीन से आयात शुल्क की दर बढ़ाकर 145 फीसद कर दी है। दूसरी ओर, चीन की प्रतिक्रियाओं से यह लग रहा है कि अमेरिका ने जो टैरिफ युद्ध शुरू किया है, उससे उसने आखिर तक लड़ऩे का मन बना लिया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चीन यह समझ रहा है कि वह अमेरिका से अकेले लड़. नहीं सकता है, इसीलिए वह विभिन्न देशों को साथलेकर एक संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं, बल्कि चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि भारत और चीन, दोनों बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं, इसीलिए इस मामले में दोनों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन चीन को इस मामले में कोई खास सफलता नहीं मिल रही है। इस पूरे मामले में भारत का रुख बहुत सकारात्मक रहा है। उसने किसी तरह की जल्दबाजी नहीं की है, और प्रतिक्रियात्मक कदम नहीं उठाया है। भारत और अमेरिका के बीच इस मसले को लेकर द्विपक्षीय वार्ता चल रही है, उम्मीद है कि भारत इस पर अपना पक्ष मजबूती से रख सकेगा और जोर देगा कि भविष्य के व्यापार में उसे भारी टैरिफ का दबाव न झेलना पड़े.। लेकिन भारत के सामने दुविधा की स्थिति है कि उसे चीन और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों में संतुलन बनाकर चलना होगा क्योंकि दोनों बड़े. व्यापारिक साझेदार हैं। अब तक भारत ने धैर्य और समझदारी से काम लिया है, और उम्मीद है कि अपनी इसी तरह की नीतियों के चलते वर्तमान परिस्थितियों के अपने पक्ष में झुकाने में सफल हो जाएगा।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है।

वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता

कृषि से खालसा तक, भारत की आत्मा का पर्व है बैसाखी

इशाकत अली खान, प्रधान संपादक

कृषि प्रधान देश भारत में बैसाखी पर्व का संबंध फसलों के पकने के बाद उसकी कटाई से जोड़कर देखा जाता रहा है। इस पर्व को फसलों के पकने के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। इसे विशेष तौर पर से पंजाब का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। वैसे देशभर में बैसाखी को बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सिख समुदाय बैसाखी से ही नए साल की शुरूआत मानते हैं। इस दिन एक-दूसरे को बधाईयां दी जाती हैं। पंजाब में किसान तब अपने खेतों को फसलों से लहलहाते देखता है तो इस दिन खुशी से झूम उठता है। खुशी के इसी आलम में शुरू होता है गिद्दा और भांगड़ा का मनोहारी दौर। पंजाब में ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर पारम्परिक पोशाक में युवक-युवतियां नाचते-गाते और जश्न मनाते हैं तथा सभी गुरूद्वारों को फूलों तथा रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

उत्तर भारत में और विशेषतः पंजाब तथा हरियाणा में गिद्दा और भांगड़ा की धूम के साथ मनाए जाने वाले बैसाखी पर्व के प्रति भले ही काफी जोश देखने को मिलता है लेकिन वास्तव में यह त्यौहार विभिन्न धर्म एवं मौसम के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। पर्व की खूब धूम रहती है। पश्चिम बंगाल में इसे ह्यनबा वर्षह्ल के नाम से मनाया जाता है तो केरल में ह्यविशूह्ल नाम से तथा असम में यह ह्यबीहूह्ल के नाम से मनाया जाता है। बंगाल में ह्यपोइला बैसाखीह्ल भी कहा जाता है और वे अपने नए साल की शुरूआत मानते हैं। हिन्दू धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हजारों साल पहले इसी दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इसीलिए इस दिन गंगा आरती करने तथा पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परम्परा रही है।

13 अप्रैल 1919 का बैसाखी का दिन आज भी चीख-चीखकर अंग्रेजों के जुल्मों की दास्तान बखान करता है। दरअसल रोलट एक्ट के विरोध में अपनी आवाज उठाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आव्हान पर इस दिन हजारों लोग जलियांवाला बाग में इकट्ठा हुए थे क्योंकि ह्यरोलट एक्टह्ल कानून के तहत न्यायाधीशों और पुलिस को किसी भी भारतीय को बिना कोई कारण बताए और उन पर बिना कोई मुकद्दमा चलाए जेलों में बंद करने का अधिकार दिया गया था। महात्मा गांधी के आव्हान पर भारतवासियों में इस कानून के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश उमड़ पड़ा था। इस काले कानून के विरोध में अमृतसर के जलियांवाला बाग में हजारों लोगों की एक विशाल जनसभा हुई थी लेकिन अंग्रेज सरकार ने बहुत खतरनाक षड्यंत्र रचकर जलियांवाला बाग में एकत्रित हुए लोगों को चारों ओर से घेरकर बिना किसी पूर्व चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दी। उस दर्दनाक हत्याकांड में सैंकड़ों भारतवासी शहीद हो गए थे। हालांकि बाद में उस नृशंस हत्याकांड के सूत्रधार जनरल डायर की हत्या कर उसका बदला ले लिया गया था।

बैसाखी को सूर्य वर्ष का प्रथम दिन माना गया है क्योंकि इसी दिन सूर्य अपनी पहली राशि मेष में प्रविष्ट होता है और इसीलिए इस दिन को ह्यमेष संक्रांतिह्ल भी कहा जाता है। यह मान्यता रही है कि सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने के साथ ही सूर्य अपनी कक्षा के उच्चतम बिन्दुओं पर पहुंच जाता है और सूर्य के तेज के कारण शीत की अवधि खत्म हो जाती है। इस प्रकार सूर्य के मेष राशि में आने पर पृथ्वी पर नवजीवन का संचार होने लगता है। इस तरह बैसाखी खुशियों का त्यौहार है। बैसाखी का पवित्र दिन हमें गुरू गोबिन्द सिंह जैसे महापुरूषों के महान आदर्शों एवं संदेशों को अपनाने तथा उनके पदि्चन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करता है और हमें यह संदेश भी देता है कि हमें अपने राष्ट्र में शांति, सद्भावना एवं भाईचारे के नए युग का शुभारंभ करने की दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जाति की जंजीरें: आजादी के बावजूद मानसिक गुलामी

प्रियंका सौरभ

भारत, जिसे आध्यात्मिकता और विविधता का देश कहा जाता है, अपने भीतर विरोधाभासों का ऐसा संसार छुपाए बैठा है जो कभी-कभी चौंका देता है। एक ओर हम विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक और सांस्कृतिक परतों में आज भी मध्ययुगीन सोच जड़ें जमाए बैठी है।

एक ही समाज में ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं, जहां लोग किसी बाबा के चरणामृत को 'अमृत' मान कर पी जाते हैं, यहां तक कि गोमूत्र और गोबर को औषधि बता कर सेवन करते हैं; और उसी समाज में एक दलित के हाथ का पानी पीना 'पाप' मान लिया जाता है। यही वह विडंबना है जिसे इस तीखे वाक्य ने पूरी ताकत से उजागर किया है- 'आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।' यह पंक्ति महज व्यंग्य नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहराई से जमी हुई दो बड़ी बीमारियों की पहचान है-एक है अंधविश्वास में डूबी आस्था और दूसरी है जातिगत भेदभाव। दोनों ही एक हद तक इंसानियत, तर्कशक्ति और समानता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। आस्था किसी भी समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ होती है। यह इंसान को एक उद्देश्य देती है, उसे नैतिकता और आत्मबल प्रदान करती है। लेकिन जब यही आस्था तर्क, विज्ञान और मानवाधिकारों की सीमा लांघ कर अंधश्रद्धा में बदल जाती है, तब खतरनाक रूप ले लेती है। भारत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां धर्मगुरु ओं ने अनुयायियों को गोमूत्र पीने, मल-मूत्र का सेवन करने, या स्वयं को 'भगवान' घोषित कर देने जैसे कृत्य करवाए और लोग आंख मूंद कर उनका पालन करते रहे। एक बाबा द्वारा 'चमत्कारी जल' के नाम पर अपना पेशाब पिलाने की खबरें भी समय-समय पर आती रही हैं। श्रद्धालु इसे 'आशीर्वाद' मान कर पीते हैं, और मीडिया जब इन घटनाओं पर सवाल उठाता है, तो आरोप लगाया जाता है कि वह धर्म का अपमान कर रहा है। यह कैसी आस्था है जो इंसान को अपनी सोच और विवेक को पूरी तरह त्यागने को विवश कर देती है? कैसी श्रद्धा है जो सवाल उठाने वालों को अपराधी बना देती है?

अब बात करें उस दूसरी बड़ी सामाजिक बीमारी जातिवाद की। भारत में जाति ऐसी संरचना है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा, अधिकार और यहां तक कि जीवनझ्मरण के अवसर भी तय करती है। भारतीय संविधान ने भले ही जातिवाद को गैर-कानूनी घोषित कर दिया हो लेकिन सामाजिक मानसिकता में इसकी जड़ें आज भी बेहद गहरी हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता, उनके लिए अलग कुएं या नल होते हैं, स्कूलों में उनके बच्चों को अलग बैठाया जाता है, और उनके स्पर्श मात्र से वस्तुएं 'अपवित्र' मानी जाती हैं। हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा आज भी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे उदाहरण रोज सामने आते हैं जब दलित को >ची जाति की लड़की से प्रेम करने के लिए मार दिया जाता है, या किसी गांव में सिर्फ इस वजह से घरों में आग लगा दी जाती है कि उन्होंने 'मयार्दा' लांघी। कितना त्रासद है कि वही समाज जो गोमूत्र को औषधि मान सकता है, वह एक इंसान के छूने मात्र से पानी को अपवित्र मानता है। इस विरोधाभास की जड़ें कहीं और नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संरचना में छिपी हुई हैं।

शिक्षा वह उपकरण है जो समाज को तर्कशील और न्यायप्रिय बनाता है। लेकिन भारत की शिक्षा व्यवस्था में तर्क और मानवाधिकार की शिक्षा बहुत सीमित है। हम बच्चों को विज्ञान पढ़ाते हैं, लेकिन उनकी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं भरते। उन्हें नैतिक शिक्षा देते हैं, लेकिन जातिवाद और सामाजिक न्याय के सवालों पर चुप रहते हैं। समाज भी अपनी सुविधानुसार संवेदनशीलता चुनता है। गोमूत्र बेचने वाले को 'आधुनिक ऋषि' कहा जाता है, लेकिन मैनहोल की सफाई करते मजदूर की मौत पर कोई आवाज नहीं उठती। बच्चों को बचपन से सिखाना जरूरी है कि आस्था का मतलब अंधश्रद्धा नहीं होता, और हर इंसान समान है। जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ बने कानूनों को सिर्फ कागज पर नहीं, जमीन पर भी लागू करना होगा। मीडिया को इस विषय पर ईमानदार विमर्श शुरू करना चाहिए। जाति की संरचना अगर किसी को उसका मानवाधिकार नहीं देती तो वह टूटनी ही चाहिए। इसलिए आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम इस पाखंड को पहचानें और उसके खिलाफ बोलें। इंसान की पहचान उसकी जाति से नहीं, उसके कर्म और चरित्र से हो-यही असली धर्म है, यही सच्ची आस्था है।

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

ललित गर्ग

राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

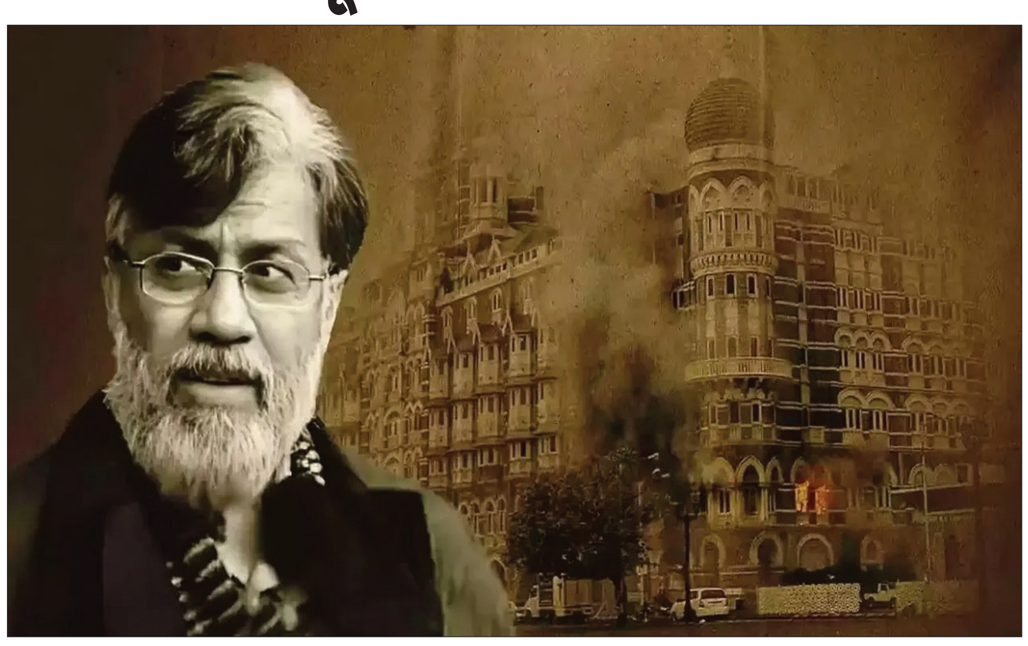

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है।

देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है।

17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है।

कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन जिन्दगी गुजार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश ?है ?

राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता। जो भी हो, भारत को केवल इतने से ही संतोष नहीं करना चाहिए कि अंततः एक बड़ा आतंकी उसके हाथ लग गया। भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चें पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

14-04-2025 ISN:Layout 1 4/14/2025 8:00 AM Page 7

म्यूरल की रंगीन दुनिया में बनाए करियर

दीवारों पर बनी बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स का नाम है म्यूरल आर्ट। देखने में खूबसूरत और संदेश देती इस कला में आप भी अपना भविष्य संवार सकते हैं। क्या आपने कभी रेलवे स्टेशनों, मंदिरों और हवाई अड्डों की दीवारों पर बनी बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स को गौर से देखा है। उन्हें देख कर ऐसा लगता है मानो वे चीजें हमारे सामने ही हों, जबकि ऐसा होता नहीं। यह कोई सामान्य पेंटिंग नहीं होती, बल्कि यह म्यूरल कहलाते हैं, जिसमें कलाकार रंगों की अद्‌भुत मिलावट से एक जीवंत चित्र खींच देते हैं।

म्यूरल का अर्थ

म्यूरल मतलब रंगों की मदद से दीवारों पर उकेरे गए ऐसे चित्र, जो बिल्कुल जीवंत लगते हैं। यह कला भारतीयों के लिए नयी नहीं है, लेकिन मॉडर्न आर्ट ने इसे लोकप्रिय बनाने में खूब मदद की है। म्यूरल्स हमारे लिए इसलिए भी खास हैं, क्योंकि अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति दिलाने में भी ये मददगार साबित हुए थे।अब ये प्रोफेशनल काम बन चुका है। कोई भी सामान्य व्यक्ति, जिसे कला और रंगों की थोड़ी-सी समझ हो, वह म्यूरल मेकिंग में हाथ आजमा सकता है।

म्यूरल्स की खासियत

आमतौर पर इसे दीवारों पर बनाई गई पेंटिंग के रूप में समझा जाता है। दीवारों पर पेंटिंग बनाने से हट कर सोचने व क्रियान्वित करने के ट्रेंड ने इसे बहुआयामी बना दिया है। अब टाइल्स, टेराकोटा, सीमेंट, बालू, ग्लास, प्लास्टिक, लोहे और स्टील आदि माध्यमों से परमानेंट म्यूरल बनाए जाते हैं।

किस-किस तरह के म्यूरल

ट्रेडिशनल म्यूरल- जैसे कोई प्राकृतिक सीनरी, नदियां, झरने आदि। अक्सर इस तरह के म्यूरल स्विमिंग पूल या मंदिरों की दीवारों पर बनाए जाते हैं।

कॉरपोरेट म्यूरल- इस तरह के म्यूरल कंपनियों या कॉरपोरेट दफ्तरों के अंदर बनवाए जाते हैं।

टाइल म्यूरल- इस तरह के म्यूरल घरों की दीवारों पर बनाए जाते हैं। इनमें रंगों के साथ अन्य चीजों का भी इस्तेमाल किया जाता है।

राजनीतिक म्यूरल्स- इस तरह के म्यूरल्स में किसी राजनीतिक दल या राजनेता के राजनीतिक सफर के बारे में बताया जाता है।

ऐतिहासिक म्यूरल्स ऐसे म्यूरल्स के माध्यम से देश, दुनिया या किसी संस्था के इतिहास को दर्शाया जाता है।

कितना खर्च

अगर एक सामान्य आर्टिस्ट म्यूरल मेकिंग में करियर बनाना चाहता है तो इसके लिए शुरुआती खर्च एक से तीन लाख के बीच आता है। इसके लिए राज्य सरकार का कला और संस्कृति विभाग कलाकारों के लिए प्रोत्साहन राशि की घोषणा करता रहता है।

कितना बड़ा बाजार

घर या कंपनी में म्यूरल बनवाना एक स्टेटस सिम्बल बन चुका है। म्यूरल भारत में उभरता हुआ काम है। मेट्रो से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स में म्यूरल्स बनवाए जा रहे हैं।

वर्कशॉप से बढ़ाएं स्किल

म्यूरल मेकिंग के लिए देश भर में फैले कला विद्यालय समय-समय पर कई तरह की वर्कशॉप करवाते रहते हैं, जिनमें इस क्षेत्र के एक्सपर्ट आते हैं। इनमें हिस्सा लेकर आप अपनी कला को और निखार सकते हैं।

किस तरह के लोग इस क्षेत्र में आएं

अगर आप क्रिएटिव हैं और जो आप सोचते हैं, उसमें रंग भरने की क्षमता आपके अंदर है तो आप म्यूरल मेकिंग के क्षेत्र में आ सकते हैं। साथ ही इस फील्ड में सफलता के लिए सब्र का होना भी आवश्यक है।

म्यूरल्स बनाने वाले के व्यक्तिगत गुण

रचनात्मकता

अलग तरह से सोचने की क्षमता

कुछ अलग करने की लगन

रंगों की समझ

पढ़ने-लिखने में मन लगता हो

अपने आस-पास जो कुछ हो रहा है, उसके सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक पहलू समझने की क्षमता

किस-किस तरह के कोर्स

म्यूरल मेकिंग में कोई स्पेशलाइज्ड कोर्स उपलब्ध नहीं है, लेकिन पढ़ाई के दौरान आप स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। आमतौर पर सभी संस्थानों में यह चार वर्षीय कोर्स उपलब्ध है। वहीं कुछ संस्थानों में बीए इन आर्ट जैसे ट्रेडिशनल कोर्स भी चल रहे हैं। प्रथम वर्ष में संस्थान में विजुअल आर्ट्स के सभी पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं, जिसे फाउंडेशन कोर्स कहा जाता है। इसके बाद प्राप्तांक व मेरिट के आधार पर तीन साल का स्पेशलाइजेशन कोर्स करना होता है। इसे बैचलर इन फाइन आर्ट्स या बैचलर इन विजुअल आर्ट्स कहते हैं। आपको और एडवांस चीजें सीखनी हों तो पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स, यानी मास्टर इन फाइन आर्ट्स या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स कर सकते हैं। बाद में पीएचडी भी कर सकते हैं।

रोजगार की संभावना

बीएफए या बीवीए करने के बाद स्कूल स्तर पर शिक्षक, सरकारी संस्थानों में कलाकार बन सकते हैं, लेकिन यह केवल ट्रेडिशनल रोजगार है। इसके अलावा इसका क्रिएटिव पहलू स्वतंत्र कलाकार बनने का भी है। इसके अलावा विज्ञापन संस्थानों,आर्ट गैलरीज, प्रकाशन क्षेत्र और एनिमेशन फिल्मों में भी रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

शैक्षिक योग्यता

हालांकि यह एक क्रिएटिव फील्ड है, इसलिए यहां डिग्री उतनी मायने नहीं रखती, लेकिन अगर आप प्रोफेशनल आर्टिस्ट्स वर्ल्ड में बने रहना चाहते हैं तो इसके लिए कोर्स करना जरूरी है। आर्ट से संबंधित किसी भी बेसिक कोर्स को करने के लिए कला विषय के साथ बारहवीं होना आवश्यक है। अगर आप पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हैं तो इसके लिए बीएफए, बीवीए या बीए इन आर्ट की डिग्री होना आवश्यक है।

संस्थान

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट, दिल्ली
फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट, बीएचयू, बनारस
कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड
सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
कॉलेज ऑफ आर्ट, चंडीगढ़

को दें आकाश की ऊंचाई

एविएशन में करियर बनाने की संभावनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। जहां पहले एविएशन का क्षेत्र सरकारी हवाई सेवाओं तक ही सीमित था, वहीं अब निजी क्षेत्र भी एविएशन की दौड़ में शामिल हो गए हैं। देश के आर्थिक विकास को तेजी देने वाले इस क्षेत्र में संभावनाओं का एक अनंत आसमान युवाओं को अपनी ओर खींच रहा है। यह क्षेत्र जितना रोमांचक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। दूसरे क्षेत्रों की तुलना में शानदार जीवनशैली, सुविधाओं और उम्दा वेतन ने इसे करियर का हॉट ऑप्शन बना दिया है। एविएशन के क्षेत्र में जिस तेजी से विकास हो रहा है, उनके अनुसार भारत इस क्षेत्र में सन 2025 तक नंबर वन पर होगा। वर्तमान में देखा जाए, तो विश्व का केवल दो प्रतिशत एविएशन बिजनेस भारत में होता है।इस क्षेत्र में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। बशर्ते कोर्स करने के लिए आपने एक सही संस्थान का चयन किया हो। एविएशन के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जिन लोगों के मन में कोई भ्रम है या जो लोग इन क्षेत्र की बारीकियों को समझना चाहते हैं, उनके लिए एक बुक विनिंग स्ट्रैटिजी सर्विंग विद अ स्माइल बेहद काम आ सकती है।

- **राजस्थान स्टेट फ्लाइंग स्कूल, जयपुर।**
- **सहारा एविएशन अकैडमी, जयपुर।**

योग्यता- एयरहोस्टेज फ्लाइट स्टीवर्ड से संबंधित कोर्स को करने के लिए कैंडिडेट को 12वीं पास होना चाहिए। यह क्षेत्र जितना ग्लैमरस है, उतना ही हार्ड वर्क भी मांगता है। साथ ही, जिसमें सेवा करने की भावना होगी, वहीं इस क्षेत्र में सफल हो सकता है। एजुकेशन क्वॉलिफिकेशन के साथ कम्यूनिकेशन स्किल्स और ग्रूमिंग को भी इस क्षेत्र में महत्व दिया जाता है।

एविएशन का क्षेत्र काफी विस्तृत है। एयरहोस्टेस, पायलट के अलावा सेल्स, रिजर्वेशन, टिकटिंग, सिक्युरिटी, कार्गो, एचआर, मार्केटिंग, इंजिनियरिंग व कैटरिंग प्रमुख हैं। आमतौर पर पायलट और एयरहोस्टेस के लिए ही जाने जाने वाले इस क्षेत्र में टेक्निकल और नॉन टेक्निकल दोनों ही क्षेत्रों में नौकरियां उपलब्ध कराई जाती हैं।

5 लाख रुपए महिना कमा सकते है आप

एविएशन के क्षेत्र के अलग- अलग कर्मचारियों और अधिकारियों को यात्रा, चिकित्सा सुविधा और आवास के साथ 20 हजार से लेकर पांच लाख तक वेतन मिलता है। यह आपके पद और क्षेत्र पर निर्भर करता है।

आमदनी और रुतबे का विकल्प है वकालत

आजकल आए दिन नई-नई मल्टी नेशनल कंपनियां स्थापित हो रही हैं। ऐसी जगहों पर वकीलों की आवश्यकता होती है और जितनी बड़ी कंपनी, आमदनी और रुतबा भी उतना ही बड़ा। आज जब हम ऐसी नौकरी की बात करते हैं जिसमें मन मुताबिक काम करने की पूरी आजादी हो और उस नौकरी का एक रुतबा भी हो तो ऐसे में वकालत एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

पर क्या आपको नहीं लगता कि इसके लिए कानून की जानकारी होने के अलावा एक लीगल प्रशिक्षण की भी आवश्यकता पड़ती है? एक अच्छा लॉ स्कूल ढूँढ कर डिग्री पा लेने से हर कोई वकील नहीं बन सकता। एक लॉ स्कूल में आपको कानून संबंधी तमाम पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी, विधि संबंधी गेस्ट फैकल्टी आपके साथ अपने अनुभव भी बताएंगी। परंतु इतना पर्याप्त नहीं है।

सबसे पहले आप स्वयं विश्लेषण करें कि आप अपने लिए एक लीगल कॅरियर की ही क्यों चाहते हैं? इंजीनियरिंग, शिक्षा, चिकित्सा, एमबीए या अन्य कोई क्षेत्र में क्यों नहीं? कहीं ऐसा तो नहीं कि फिल्में या नाटक देख-देखकर ही वकीलों की छवि से प्रभावित होकर आपने ये निर्णय लिया? कानून और विधि उन लोगों के लिए एक बेहतरीन क्षेत्र जिन्हें पूरे आत्म विश्वास के साथ पढ़ना, लिखना और बोलना पसंद है।

आपको घंटों तक काम करना पड़ सकता है और कानूनी दांव पेचों पर सिर खपाना पड़ सकता है। परंतु इस काम के लिए आपको काफी सावधानी बरतनी होती है। आजकल आए दिन नई-नई मल्टी नेशनल कंपनियों स्थापित हो रही हैं। ऐसी जगहों पर वकीलो की आवश्यकता होती है और जितनी बड़ी कंपनी, आमदनी और रुतवा भी उतना ही बड़ा। भारत में लीगल शिक्षा बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संचालित होती है।

लॉ कोर्स के बाद या तो आप कोई कानूनी संस्था से जुड़ सकते हैं या स्वतंत्र रूप से अपनी प्रैक्टिस कर सकते हैं या फिर किसी उद्योग इकाई से जुड़कर उनके निजी वकील का कार्यभार संभाल सकते हैं।

एलएलबी का अर्थ अपराध से जुड़े मामलों का वकील बनना नहीं है। इस कोर्स के बाद आप बिजनेस लॉ, कॉर्पोरेट लॉ, इनवायरनमेंटल लॉ, पेटेंट लॉ, टेक्स लॉ, इंटरनेशनल लॉ, रियल एस्टेट लॉ, लेबर लॉ, साइबर लॉ आदि में भी मजबूत स्थिति बना सकते हैं।

2007-08 के आंकड़ों के मुताबिक लॉ स्कूलों से जो ग्रेजुएट हुए लोगों को विभिन्न संस्थाओं में 30 हजार से 1 लाख रुपए प्रति माह तक की आय पर नियुक्त किया गया। इस वर्ष के आंकड़े और अधिक बेहतर स्थिति दर्शाते हैं। एक फ्रैशर भी अपने आत्मविश्वास के बल पर ये डिग्री हासिल करके अच्छा वेतन पा सकता है।

इंडिया एक कॉमन लॉ देश है जिसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यहां की कानून प्रणाली कई अन्य देशों की प्रणाली से मेल खाती है। जिस तरह से भारत में लॉ की डिग्री प्राप्त कर आप विदेश में भी अच्छी नौकरी पा सकते हैं, सिंगापुर, मलेशिया जैसे स्थानों पर भारतीय वकीलों की मांग लगातार बढ़ रही है।

बस कानूनी दाँव-पेच में थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। अगर आपको कानून की धाराएं मुंह जुबानी याद हो जाएं और तार्किक शक्ति में इजाफा कर आप एक अच्छे वकील बन जाएं तो 6 अंकों की सैलरी बहुत आसानी से पा सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी : माइकल क्लार्क

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। लगातार हार झेलने के बाद अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद चेन्नई ने अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाया और यह उसकी छह मैचों में पांचवीं हार रही। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल

क्लार्क ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है। क्लार्क ने एक चैनल पर विशेषज्ञ के रूप में कहा कि चेन्नई आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही है और मेरा मानना है कि टीम मौजूदा दौर की क्रिकेट की मांग के अनुरूप नहीं खेल रही। क्लार्क ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गलत योजना के साथ मैदान में उतरने की गलती की। पिच बल्लेबाजी के लिए कठिन थी, नई गेंद से हल्की हरकत हो रही थी और स्पिन भी मिल रही थी, लेकिन सीएसके का रवैया बेहद रक्षात्मक नजर आया। क्लार्क ने टीम की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चेन्नई अब सिर्फ हार को कम करने या मैच को खींचने की कोशिश में लगी है। इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है। क्लार्क के मुताबिक, टीम को अब सब कुछ दांव पर लगाकर आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने माना कि लगातार हारने के बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल नकारात्मक हो जाता है और वहां से बाहर निकलना आसान नहीं होता। चेन्नई के लिए अब जरूरी है कि वह न केवल रणनीति बदले, बल्कि मानसिकता में भी बड़ा बदलाव लाए।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंट्स और सीएसके में मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपरजायंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में जीत हासिल कर अंक तालिका में ऊपर आने के साथ ही जीत की लय बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर इस सत्र में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही सीएसके की टीम को कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जीत दिला पाते हैं या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की टीम पिछले पांच मैच लगातार हारी है। यहां तक कि अपने घरेलू मैदान में भी उसे तीन मैच में हार मिली है। टीम के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में धोनी को एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। कप्तान के तौर पर धोनी की राह आसान नहीं है। टीम के अधिकतर खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उनका मनोबल भी गिर है।

वहीं मेजबान टीम लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार चौथी जीत का प्रयास करेगी। उसने पिछले मैच में अच्छी जीत दर्ज की थी जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके

गेंदबाज आवेश खान, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले मैच में मिचेल मार्श के नहीं होने पर कप्तान ऋषभ पंत एडेन मारक्रम के साथ पारी की शुरुआत के लिए उतरे थे। अब देखना होगा कि वह इस मैच में भी मार्श की वापसी के बाद शीर्ष क्रम में ही उतरते हैं या अपने तय नंबर पर उतरेंगे।

पिच की बात करें तो यहां के स्टेडियम की पिच धीमी होने के कारण बल्लेबाजी के लिए बेहतर रही है। ऐसे में निकोलस पूरन जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। यहां की पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए ही अच्छी मानी जाती है। दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रचिन रविंद्र, शिवम दुबे , डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों पर अधारित रहेगी। धोनी अभी तक निचले क्रम पर ही उतरे है और आगे भी उनके इसी प्रकार उतरने की संभावना है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में लखनऊ का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि सीएसके की ओर से इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले रुतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं1

लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम ≈ ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चेन्नई सुपर किंग्स ≈ महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रविंद्र जडेजा, शिवम दूबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम करन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

चेन्नई सुपर किंग्स के पास अभी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका, सभी को उम्मीद थाला से

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का अब तक का सीजन बेहद खराब साबित हो रहा है। 5 बार की चैंपियन टीम ने अभी तक 6 मैच में से 5 में हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई सुपर किंग्स के क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब टीम लगातार मैच हारी है। ऐसा पहली बार हुआ हैं कि एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके ने हार की हैट्रिक लगाई हो। ऋतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद लगा था कि नए कप्तान एमएस धोनी के साथ सीएसके की किस्मत पलटेगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को केकेआर के खिलाफ उन्हें 8 विकेट से शर्मनाक हार मिली। हालांकि हार के बावजूद उनके पास प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। सीएसके का प्लेऑफ समीकरण कुछ इसपर हैं, सीएसके ने आईपीएल 2025 में अभी तक 6 मैच खेले हैं जिसमें उन्हें 1 में जीत मिली है। टीम को अभी इस सीजन में 8 और मैच खेलने हैं। अगर सीएसके इन 8 में से 7 मुकाबले जीत जाती हैं, तब उनके खाते में 16 अंक आएंगे और आईपीएल के इतिहास में देखा गया है कि 16 अंक के साथ अक्सर टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती है। वहीं अगर चेन्नई 8 के 8 मैच जीतने में कामयाब रहती है, तब उनके खाते में 18 पॉइंट्स हो जाएंगे, फिर निश्चित उन्हें नॉकआउट राउंड में जगह मिल जाएगी। इसके पहले टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी सीएसके निर्धारित 20 ओवर में 103 रन ही बोर्ड पर लगा सकी।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर मंदिर पंहुची मैरीकॉम, पति से चल रही तलाक की अफवाहें

नई दिल्ली । भारत की दिग्गज बॉक्सर मैरीकॉम सालों तक अपने खेल के कारण सुर्खियों में रहीं। वह देश की सबसे कामयाब बॉक्सर हैं। एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स के साथ-साथ वह ओलंपिक गेम्स में भी मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, कुछ दिनों से वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में है। उनके तलाकों की अफवाहें चल रही हैं। इस बीच उनका रूमर्ड बायफ्रेंड के साथ का वीडियो वायरल हुआ। मैरीकॉम का नाम साथी बॉक्सर के पति हितेश चौधरी के जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों कुछ समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस बीच मैरीकॉम हितेश के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। इंस्टाग्राम पर जो वीडियो वायरल हुआ उसमें हितेश और मैरीकॉम पीले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे थे। दोनों मंदिर के बाहर मीडिया से बात करते नजर आए। वहां से जाते हुए दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा हुआ था। वह पूरे समय साथ ही रहे। इससे पहले दोनों दुबई में भी साथ दिखाई दिए थे। वहीं दोनों ने महाकुंभ में भी साथ डुबकी लगाई थी। बता दें कि, मैरी कॉम क्रिश्चियन हैं। उनकी जब साल 2005 में शादी हुई तब भी ईसाई रीति-रिवाज से ही शादी हुई थी। हितेश चौधरी मैरीकॉम फाउंडेशन के चेयरमैन हैं। साथ ही उनके बायो में लिखा है कि वह क्रिकेटर भी रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हितेश की पत्नी भी मैरीकॉम की तरह बॉक्सर ही हैं। पिछले कुछ महीनों से दोनों ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है जबकि मैरीकॉम ने अपने पति ओनलर के साथ काफी समय से नजर नहीं आई हैं।

पूरन के सिक्सर से घायल हुआ फैन, सिर से निकला खून, उपचार के बाद जीत का जश्न मनाने के लिए लौटा

स्पोर्ट्स डेस्क । निकोलस पूरन के 31 गेंदों पर 61 रन और एडेन मार्करम के 31 गेंदों पर 58 रन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने एकाना स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 26वें मैच में मेहमान गुजरात जायंट्स पर 6 विकेट से आसान जीत दर्ज की। इस दौरान लखनऊ के धमाकेदार बल्लेबाज पूरन के एक छक्के से फैन घायल हो गया और उसके सिर पर चोट लगी। लेकिन फैन ने उपचार के बाद फिर से मैच देखा और टीम की जीत का जश्न मनाया। गुजरात से मिले 181 रनों का लक्ष्य के जवाब में जब पूरन बल्लेबाजी कर रहे थे तो एक सिक्सर शॉट फैन के सिर पर लगा। फैन के सिर से खून निकल रहा था और उसका उपचार किया गया। हालांकि चोट के बाद फैन ने घायल अवस्था में ही मैच पूरा देखा और टीम के जीतने के बाद जश्न मनाया। उक्त फैन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लखनऊ ने रोमांचक मुकाबले में 3 गेंदें रहते 186 रन बनाते हुए जीत अपने नाम की।

युवराज और सूर्यकुमार ने लगातार प्रोत्साहित किया, फॉर्म में वापसी कर बोले अभिषेक शर्मा

हैदराबाद (एजेंसी)। अपने रिकॉर्ड शतक से फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इसका श्रेय अपने मार्गदर्शक युवराज सिंह और भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को दिया जिन्होंने खराब दौर में उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के मैच में शनिवार को यहां 55 गेंद पर 141 रन की तूफानी पारी खेली जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने 246 रन के लक्ष्य को बौना साबित करके पिछले चार मैच से चला आ रहा हार का सिलसिला खत्म किया। यह आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि स्वीकार किया कि उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। सनराइजर्स की टीम को छह दिन का ब्रेक मिला था लेकिन अभिषेक इनमें से चार दिन बुखार से पीड़ित रहे। उन्होंने शतक पूरा करने के बाद एक पर्ची अपनी जेब से निकाली जिस पर लिखा था, 'यह पारी ऑरेंज आर्मी (सनराइजर्स के समर्थक) को समर्पित है। अभिषेक में मैच के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब भी मैं सुबह जागता हूं तो कुछ ना कुछ लिखता हूं। आज मेरे मन में ऐसा ही विचार आया कि अगर मैं कुछ खास करता हूं तो उसे ऑरेंज आर्मी को समर्पित करूंगा। सौभाग्य से आज का दिन मेरा था।'

उन्होंने कहा कि जब वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे तो युवराज और सूर्यकुमार लगातार उनका हौसला बढ़ा रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं चार दिन से बीमार था। मुझे बुखार था लेकिन मैं खुशनसीब हूं कि मेरे आस-पास युवराज सिंह और सूर्यकुमार जैसे लोग हैं जो लगातार फोन करके मेरा हौसला बढ़ाते रहे।'

उन्होंने कहा, 'क्योंकि वे जानते हैं कि मैं इस तरह की पारी खेल सकता हूं लेकिन जब आप रन नहीं बना पा रहे होते हो तो आप खुद पर संदेह करने लग जाते हो। लेकिन उन्हें मुझ पर पूरा भरोसा था और जब आपके आसपास आप पर भरोसा करने वाले लोग होते हैं तो आप भी खुद पर विश्वास करना शुरू कर देते हैं। इसलिए यह मेरे लिए केवल एक पारी की बात थी।'

अभिषेक का इस पारी के दौरान भाग्य ने भी साथ दिया और उन्होंने स्वीकार किया कि उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। उन्होंने कहा, 'अगर मैं नहीं कहूंगा तो यह झूठ होगा। निश्चित तौर पर तीन चार पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने का दबाव था, विशेष कर तब जब कि आपकी टीम लगातार हार रही हो। लेकिन टीम का हर खिलाड़ी लगातार चार मैच में हार के बाद वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध था।'

25 साल बाद सलमान संग काम करने पर बोले संजय

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने शनिवार, 29 मार्च को सलमान खान के साथ एक नई एक्शन फिल्म पर काम करने की पुष्टि की। हाल ही में सलमान ने एक प्रेस मीट में खुलासा किया कि वह संजय के साथ एक बड़ी देहाती एक्शन फिल्म में काम करेंगे। अभिनेताओं ने रोमांटिक म्यूजिकल साजन और कॉमेडी फिल्म चल मेरे भाई में साथ काम किया था।

संजय ने की सिकंदर की तारीफ

संजय दत्त शनिवार को मुंबई में अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म द भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। इस मौके पर बात करते हुए अभिनेता ने सलमान खान की फिल्म सिकंदर के ट्रेलर की तारीफ की, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय ने कहा, ट्रेलर सुपरहिट है। सलमान मेरा छोटा भाई है। मैं हमेशा उसके लिए प्रार्थना करता हूं। भगवान ने उसे बहुत कुछ दिया है। सिकंदर एक सुपरहिट फिल्म होगी। सलमान के साथ 25 साल बाद फिर से काम करने के बारे में उन्होंने कहा, हां, हम साथ काम कर रहे हैं। साजन और चल मेरे भाई के बाद आप हमारा टशन देखेंगे। यह एक एक्शन फिल्म है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं 25 साल बाद अपने छोटे भाई के साथ काम कर रहा हूं। इससे पहले सलमान ने मुंबई प्रेस से बात करते हुए फिल्म के बारे में कहा था, सिकंदर के बाद मैं एक और बड़ी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें अगले स्तर का एक्शन होगा। मेरा मतलब है देहाती एक्शन। मैं इसे इंडस्ट्री में अपने बड़े भाई संजय दत्त के साथ कर रहा हूं।

द भूतनी की कहानी

पहले खबर आई थी कि सलमान और संजय दत्त मध्य पूर्व में फिल्माई गई एक अमेरिकी थ्रिलर में नजर आएंगे। वहीं, बात करें द भूतनी की तो यह एक हॉरर-कॉमेडी है, जो एक भूतिया पेड़ के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में संजय दत्त एक भूत-शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि मौनी रॉय फिल्म में भूतनी का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धोखाधड़ी के आरोपों पर श्रेयस तलपदे ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता श्रेयस तलपदे गुरुवार को उस समय मुश्किल में पड़ गए जब उन पर उत्तर प्रदेश में करोड़ों रुपये के चिटफंड घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा, लेकिन शुक्रवार को उनकी टीम ने आधिकारिक बयान जारी कर इन खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि उनका इस धोखाधड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि ये खबरें निराधार और बेसलेस हैं। बयान जारी करते हुए अभिनेता की टीम ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज की दुनिया में एक व्यक्ति की कड़ी मेहनत से अर्जित प्रतिष्ठा निराधार अफवाहों के कारण अनुचित रूप से धूमिल होने की चपेट में आती है। श्रेयस तलपदे पर धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाने वाली हालिया रिपोर्टें पूरी तरह से झूठी और किसी भी तरह से निराधार हैं।

धोखाधड़ी में शामिल नहीं हैं अभिनेता

बयान में आगे कहा गया है, एक पब्लिक फिगर के रूप में श्रेयस को कई अन्य मशहूर हस्तियों की तरह अक्सर विभिन्न कॉर्पोरेट और वार्षिक कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है, जहां वे यथासंभव भाग लेते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं है कि तलपदे का किसी भी धोखाधड़ी या गैरकानूनी कार्य से कोई संबंध नहीं है, जैसा कि आरोप लगाया जा रहा है और प्रसारित किया जा रहा है।

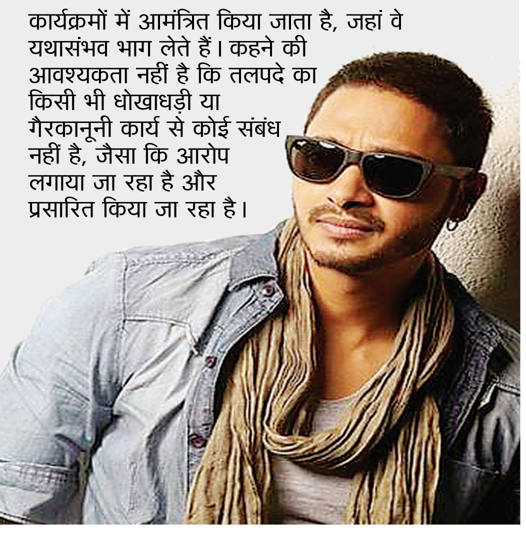

सनी देओल का ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सनी का एक्शन अवतार एक बार फिर से देखने को मिलेगा। हालांकि, सनी की सभी फिल्में एक्शन बेस्ड ही होती हैं। इसी बीच एक इवेंट के दौरान सनी ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बातचीत की।

गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। अब सनी फिल्म जाट के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। एक इवेंट के दौरान सनी ने बताया कि उनके कुछ आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जो सिनेमा हॉल के लिए नहीं बल्कि ओटीटी के लिए बने हैं। सनी के फैंस गदर 2 की सफलता के बाद उनकी आने वाली एक्शन-थ्रिलर जाट में भी उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। यह गोपीचंद की पहली हिंदी फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा और निर्देशित किया गया है। इस फिल्म को मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है।बातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके पास कई आगामी ओटीटी प्रोजेक्ट हैं। सनी ने कहा कि उनके कुछ प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएंगे क्योंकि सिनेमा के दर्शक अलग होते हैं। उन्होंने कहा, ओटीटी पर जाना अच्छा है क्योंकि लोग वहां आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। सनी ने यह भी बताया कि ओटीटी अभिनेताओं और निर्देशकों के लिए एक दिलचस्प जरिया है क्योंकि इससे डाइवर्सिटी मिलती है। सनी ने कहा कि उनकी फिल्में ओटीटी पर आने से आज की जनरेशन के लिए भी रिलेवेंसी बढ़ गई हैं। जाट के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा कि गोपीचंद मालिनेनी के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, जो साउथ के डायरेक्टर के साथ है और यह बहुत अच्छा रहा है। जाट के अलावा सनी देओल लाहौर 1947 में नजर आएंगी। वहीं सनी बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। बॉर्डर 2 एक वॉर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अनुराग सिन्हा करेंगे और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता करेंगे। यह 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म से कंपकंपी छुड़ाने आ रहे तुषार कपूर-श्रेयस तलपदे

बॉलीवुड की पसंदीदा कॉमिक जोड़ी श्रेयस तलपदे और तुषार कपूर एक रोमांचक हॉरर-कॉमेडी फिल्म कंपकंपी के लिए फिर से एक साथ आ रहे हैं। बीते साल यानी 2024 में इस फिल्म का एलान हुआ था। श्रेयस और तुषार ने फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया था, जिसके बाद से फैंस इस हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए उत्साहित थे। वहीं, अब इस फिल्म की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया गया है। दिवंगत संगीत सिवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके आखिरी प्रोजेक्ट में से एक है, जो पोस्ट प्रोडक्शन के दौरान पूरा हो गया। निर्देशक का निधन मई 2024 में हुआ था। अब उनके निधन के बाद उनकी यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने अब फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट भी बताई है। कंपकंपी इस साल 23 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। कंपकंपी जीतू माधवन द्वारा निर्देशित 2023 की मलयालम ब्लॉकबस्टर रोमांचक की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्माण जयेश पटेल और उमेश केआर बंसल ने जी स्टूडियोज और ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है, जिसकी दुनिया भर में रिलीज की योजना जी स्टूडियोज ने बनाई है।

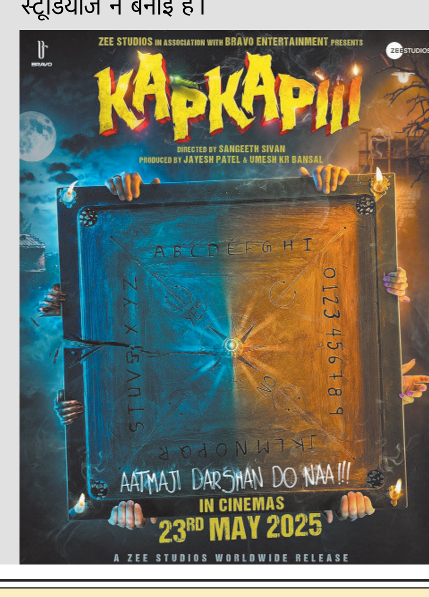

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक इशाकत अली खान द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लाक बारात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा से मुद्रित कराकर, प्लॉट नं0 40, तृतीय तल अट्टा मार्केट सेक्टर 27 नोएडा से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्धनगर होगा। संपादकः-इशाकत अली खान, उप संपादकः- संगीता सिरोही मो0-9411009503, Email :- indianews.savdhan@gmail.com कानूनी सलाहकार :- वरिष्ठ एडवोकेट गजराज सिंह नागर, वरिष्ठ एडवोकेट राजीव चौधरी, एडवोकेट ऐतजाज खान।